mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-1 अंक-128 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़

09 नवंबर 2025 रविवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

आईपीएल 2026:
@ पेज 7

चलती ट्रेन से टकराया चील, विंडस्क्रीन टूटी

लोकोपायलट घायल; अनंतनाग में ट्रेन रोककर चील को निकाला

अनंतनाग, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग शनिवार सुबह एक चील चलती ट्रेन की विंडस्क्रीन से टकरा गई। इससे विंडस्क्रीन टूट गई। कांच के टूटने से चील ट्रेन में लोकोमोटिव पायलट के केबिन में जा गिरा। घटना बारामूला-बनिहाल एक्सप्रेस में बिजबेहरा और अनंतनाग रेलवे स्टेशन के बीच हुई। विंडस्क्रीन टूटने से पायलट के चेहरे पर मामूली चोटें आईं। हालांकि, टक्कर के बाद पक्षी पायलट के केबिन में बैठ गया। ट्रेन को अनंतनाग स्टेशन पर रोका गया। इसके बाद चील को बाहर निकाला गया। बाद में घायल पायल का इलाज किया गया। हालांकि इससे ट्रेन ऑपरेशन नहीं रुका। जांच के बाद ट्रेन रवाना कर दी गई।

धीरेंद्र शास्त्री बोले- जातियों का अहंकार खत्म करना है

फरीदाबाद, एजेंसी। बागेश्वर धाम प्रमुख धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की सनातन एकता पदयात्रा आज (8 नवंबर) से हरियाणा पहुंच गई। 7 नवंबर को दिल्ली के छतरपुर स्थित श्री कात्यायनी मंदिर से शुरू हुई यात्रा ने जिरखोद मंदिर से होते हुए अरावली के मांगर कट से गुरुग्राम सड़क से फरीदाबाद में प्रवेश किया।

यहां मीडिया से बातचीत में धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि हम जातियों का अहंकार खत्म करना चाहते हैं। सभी को एक ही धागे में पिरोना चाहते हैं।

मोदी ने बच्चे के कंधे पर हाथ रखकर कविता सुनी... हौसला बढ़ाने के लिए चुटकी बजाते रहे

प्रधानमंत्री ने वाराणसी में चार नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखा कर कहा, विकास को नई गति देंगी ये आधुनिक ट्रेनें

वाराणसी, एजेंसी। पीएम मोदी ने वाराणसी से चार वंदेभारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने कहा, अब तो विदेशी यात्री भी वंदेभारत को देखकर अचंभित होते हैं। वंदेभारत भारतीयों की, भारतीयों द्वारा और भारतीयों के लिए बनाई गई ट्रेन है। पहले क्या हम ये कर सकते थे ये सब तो विदेश में होता था। अब हम कर रहे हैं, हमारे यहां बन रही हैं न। पीएम मोदी ने 'नमः पार्वती पतये' से भाषण की शुरुआत की। करीब 18 मिनट तक संबोधन दिया। पीएम ट्रेन में स्कूल के छात्रों से भी मिले। उन्होंने बच्चों से बातचीत की। इस दौरान एक बच्चे ने पीएम को कविता सुनाई। पीएम ने बच्चे के कंधे पर हाथ रखकर कविता सुनी। बच्चे का उत्साह बढ़ाने के लिए वे लगातार चुटकी बजाते रहे।

पीएम ने जिन ट्रेनों की शुरुआत की, वे वाराणसी से खजुराहो, फिरोजपुर-दिल्ली, एर्नाकुलम-बेंगलुरु और लखनऊ से सहारनपुर के बीच चलेंगी। वाराणसी को यह 8वीं वंदे भारत ट्रेन मिली है। वाराणसी में मोदी का यह इस साल का 5वां और यहां के सांसद रहते 53वां दौरा है।

पीएम शुक्रवार शाम 5 बजे वाराणसी पहुंचे। वे एयरपोर्ट से बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) गेस्ट हाउस तक सड़क मार्ग से पहुंचे। 27 किमी लंबे इस रूट पर जगह-जगह भाजपा कार्यकर्ताओं ने पीएम का स्वागत किया। तीर्थ यात्राएं केवल देवदर्शन का मार्ग नहीं, बल्कि भारत की आत्मा को जोड़ने की परंपरा हैं पीएम ने कहा, हमारे भारत में सदियों से तीर्थ यात्राओं को देश की चेतना का माध्यम माना गया है। ये यात्राएं केवल देवदर्शन का मार्ग नहीं हैं, बल्कि भारत की आत्मा को जोड़ने वाली पवित्र परंपरा हैं।

चंडीगढ़ के वकील ने मांगी पड़ोसी की पिटाई की इजाजत

डीजीपी-एसएसपी को भेजा लेटर; बोले- थार Roxx का 1 लाख का नुकसान किया, एफआईआर नहीं हुई

चंडीगढ़,एजेंसी। चंडीगढ़ के एक वकील ने पुलिस को एप्लिकेशन देकर पड़ोसी की पिटाई की इजाजत मांगी है। पुलिस के अलावा पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस, गृह सचिव, DGP, SSP और बार काउंसिल चेयरमैन को भी यह एप्लिकेशन भेजी गई है। वकील का कहना है कि पड़ोसी ने जानबूझकर उनकी नई थार Roxx पर खरोंचें मारकर उनका 1 लाख रुपए का नुकसान किया है। इस बारे में उन्होंने पुलिस को शिकायत दी थी लेकिन FIR दर्ज नहीं की गई। वकील ने यह भी तर्क दिया कि भारतीय न्याय संहिता यानी BNS के तहत उन्हें अधिकार प्राप्त है कि अगर पुलिस कार्रवाई नहीं करती तो वह सार्वजनिक रूप से व्यक्ति की पिटाई कर सकते हैं।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में दो आतंकी ढेर, घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे

सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबलों पर फायरिंग की

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के केरन सेक्टर में शनिवार को सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया। भारतीय सेना को नियंत्रण रेखा (रु्पष्ट) के पार से शुक्रवार को घुसपैठ की खुफिया जानकारी मिली थी। इसके बाद आतंकियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन चलाया था।

भारतीय सेना की यूनिट चिनार कॉर्प्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर बताया कि सर्च ऑपरेशन के दौरान आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षाबलों की जवाबी फायरिंग में दो आतंकी मारे गए। ऑपरेशन अभी जारी है। सेना ने इसे ऑपरेशन पिंपल नाम दिया है।

मारे गए आतंकियों की पहचान या उनके संगठन की जानकारी अभी नहीं मिली है। इससे पहले 5 नवंबर को किश्तवाड़ जिले के छत्रू इलाके में मुठभेड़ हुई थी। आतंकियों की फायरिंग से एक जवान घायल हो गया था।

जम्मू-कश्मीर की जेलों में

पुलिस का छापा : कुपवाड़ा में मुठभेड़ के बीच जम्मू-कश्मीर पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (CIK) ने शनिवार को घाटी की कई जेलों में छापा मारा। हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि तलाशी के दौरान अगर कुछ भी अवैध बरामद होता है, तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अधिकारियों ने इसे नियमित जांच का हिस्सा बताया और कहा कि इंटरनल सिक्योरिटी को मजबूत करने और जेल सुविधाओं के दुरुपयोग को रोकने के लिए कार्रवाई की जा रही है। ताकि जेलों के अंदर कोई गैरकानूनी गतिविधि न हो।

एयर इंडिया की फ्लाइट में खराबी के कारण देरी, मुंबई में 7 घंटे तक फंसे रहे यात्री

- आईजीआई एयरपोर्ट पर एटीसी की खराबी के कारण 800 से ज्यादा उड़ानें हुईं प्रभावित

नई दिल्ली/मुंबई, एजेंसी। एयर इंडिया की मुंबई-लंदन उड़ान (AI129) शनिवार को तकनीकी खराबी के कारण करीब 7 घंटे देरी से उड़ान भरेगी। इससे यात्रियों को असुविधा हुई है, उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। एयरलाइंस की ये उड़ान, जो पहले मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से सुबह 6.30 बजे उड़ान भरने वाली थी, अब दोपहर 1 बजे रवाना होगी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि परेशान यात्रियों ने मुंबई-लंदन उड़ान के लिए बोर्डिंग सुबह लगभग 6 बजे शुरू हुई, जो सुबह 5:20 बजे के निर्धारित समय से लगभग 40 मिनट देरी से शुरू हुई। हालांकि, विमान में चढ़ने के बाद यात्रियों को विमान के अंदर करीब डेढ़ घंटे तक इंतज़ार करना पड़ा। इससे पहले चालक दल ने घोषणा की कि तकनीकी समस्या का पता चला है।

इसके बाद यात्रियों को विमान से उतार दिया गया। इस बीच एयरलाइन ने जारी बयान में कहा, एयर इंडिया की उड़ान संख्या ढ्ढ129, जो सुबह 6ञ्30 बजे मुंबई से लंदन के लिए उड़ान भरने वाली थी, देरी से चल रही है। ये फ्लाइट अभी तक उड़ान नहीं भर पाई है। तकनीकी खराबी के कारण उड़ान अब दोपहर 1 बजे उड़ान भरेगी। यात्रियों को जलपान उपलब्ध कराया गया है। उल्लेखनीय है कि यह घटनाक्रम दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर हवाई यातायात नियंत्रण में गड़बड़ी के कारण मुंबई हवाई अड्डे पर उड़ान संचालन आंशिक रूप से प्रभावित होने के एक दिन बाद आया है। देश के सबसे व्यस्ततम आईजीआई एयरपोर्ट पर एटीसी की खराबी के कारण 800 से ज्यादा उड़ानें प्रभावित हुईं।

वायुसेना की बढ़ेगी ताकत, तेजस लड़ाकू विमानों के लिए 113 जेट इंजन खरीदेगा एचएएल, जीई एयरोस्पेस के साथ हुआ समझौता

नई दिल्ली,एजेंसी। हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने अमेरिकी रक्षा कंपनी जीई एयरोस्पेस के साथ अपने तेजस हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) कार्यक्रम के लिए 113 जेट इंजनों की खरीद का बड़ा करार किया है।यह समझौता भारतीय उत्पादों के आयात पर अमेरिका में 50 प्रतिशत सीमा शुल्क लगाए जाने से दोनों देशों के संबंधों में आए तनाव के बीच हुआ है। इस करार के तहत

एचएएल अपने स्वदेशी तेजस लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) कार्यक्रम के लिए 97 विमानों में लगाए जाने वाले 113 जेट इंजनों की खरीद करेगा।

अधिकारियों के अनुसार, एफ404-जीई-आईएन20 इंजन की आपूर्ति वर्ष 2027 से शुरू होगी और 2032 तक पूरी की जाएगी। इस सौदे के साथ भारत की स्वदेशी रक्षा उत्पादन क्षमता को एक और मजबूती मिलेगी। एचएएल ने बताया कि यह समझौता जनरल इलेक्ट्रिक कंपनी (जीई) के साथ इंजन और सपोर्ट पैकेज की खरीद के लिए किया गया है, जो तेजस एलसीए मार्क-1ए कार्यक्रम के निष्पादन में अहम भूमिका निभाएगा। इससे पहले, रक्षा मंत्रालय ने सितंबर में 62,370 करोड़ रुपये के सौदे पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत भारतीय वायुसेना के लिए 97 तेजस एमके-1ए लड़ाकू विमान खरीदे जाएंगे। इन विमानों के इंजन अब जीई एयरोस्पेस से प्राप्त किए जाएंगे। एचएएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस समझौते के बाद उत्पादन लाइन को तेज करने की तैयारी की जा रही है ताकि वायुसेना को निर्धारित समय सीमा में विमान सौंपे जा सकें।

संसद का विंटर सेशन 1 से 19 दिसंबर तक, 15 बैठकें होंगी

मानसून सत्र के दौरान धनखड़ ने इस्तीफा दिया था, SIR पर हंगामा हुआ

नई दिल्ली,एजेंसी। संसद का शीतकालीन सत्र (विंटर सेशन) 1 दिसंबर से 19 दिसंबर तक चलेगा। 19 दिन में पूरे सत्र के दौरान 15 बैठकें होंगी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर इसकी जानकारी दी। इससे पहले 21 जुलाई से 21 अगस्त तक संसद का मानसून सत्र चला था। सत्र के पहले दिन राज्यसभा के तत्कालीन उपसभापति जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा दे दिया। फिर पूरा सत्र बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) को लेकर विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ गया था। मानसून सत्र में कुल 21 बैठकें हुईं।

लोकसभा में 120 घंटे चर्चा का समय निर्धारित था, लेकिन सिर्फ 37 घंटे कार्यवाही चली। राज्यसभा में सिर्फ 41 घंटे चर्चा हुई। लोकसभा-राज्यसभा में कुल 27 बिल पास हुए। गिरफ्तार PM-ष्टरू को हटाने वाला संविधान संशोधन बिल सबसे चर्चा में रहा। इसे जेपीसी के पास भेजने का प्रस्ताव पारित हुआ।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग ला सकता है विपक्ष : संसद के शीतकालीन सत्र में I.N.D.I.A. ब्लॉक मुख्य निर्वाचन आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग ला सकता है। 18 अगस्त को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर I.N.D.I.A. ब्लॉक की बैठक हुई थी। बैठक के बाद कांग्रेस, TMC, सपा, छ्वरूरू, राजद समेत 8 विपक्षी दलों ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें TMC महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा- संसद के मौजूदा सत्र (मानसून सत्र) में 3 दिन बाकी हैं। महाभियोग लाने के लिए 14 दिन पहले नोटिस देना जरूरी है। CEC के रवैये को देखते हुए हम अगले सत्र (शीतकालीन सत्र) में नोटिस देंगे।

दरअसल, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने 7 अगस्त को चुनाव आयोग पर वोट चोरी के आरोप लगाए थे।

पीएम बोले- बिहार का बच्चा रंगदार नहीं बन सकता

राहुल पर निशाना, कहा- कुछ लोग इस चुनाव में डूबने की प्रैक्टिस कर रहे

नई दिल्ली/पटना, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सीतामढ़ी में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा- पहले चरण के मतदान में जंगलराज वालों को 65 बोल्ट का झटका लगा है। चारों तरफ चर्चा है कि बिहार के नौजवानों ने विकास, NDA को चुना है।

पीएम ने कहा- राजद के मंचों पर मासूम बच्चों से कहलवाया जा रहा है कि वे रंगदार बनना चाहते हैं। उनके चुनाव प्रचार के गाने-नारे सुनकर कांप जाएंगे। बिहार का बच्चा अब रंगदार नहीं बन सकता। हमारा बच्चा इंजीनियर बनेगा, डॉक्टर बनेगा, वकील बनेगा।

पीएम ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा- एक समय था जब बिहार दूसरे राज्यों से मछली मंगाता था, लेकिन NDA सरकार में बिहार दूसरे राज्यों को मछली भेजने लगा है। अब बड़े-बड़े लोग भी अब यहां की मछली देखने आ रहे हैं। पानी में डुबकी लगा रहे हैं। कुछ लोग बिहार चुनाव में डूबने की प्रैक्टिस कर रहे हैं। बता दें कि राहुल गांधी 2 नवंबर को बेगूसराय में चुनाव प्रचार के दौरान एक तालाब में कूद गए थे। उन्होंने मछुआरों के साथ मछली पकड़ने के लिए जाल भी खींचा। राहुल के साथ VIP प्रमुख और महागठबंधन के उपमुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार मुकेश सहनी भी थे।

बेतिया में मोदी बोले- ये आखिरी सभा, अब शपथ ग्रहण में आऊंगा

पीएम मोदी ने बेतिया की सभा में कहा, बेतिया में मेरे बिहार के चुनाव अभियान की समापन रैली है। इस चुनाव में मेरी आखिरी सभा है। 11 नंवबर को हमें सिर्फ सीटें नहीं जीतनी है, हर बूथ जीतना है। मैं जीत के विश्वास के साथ जा रहा हूं। अब ह्रष्ठ के शपथ ग्रहण में आऊंगा। तेजप्रताप से मिलकर रवि किशन बोले- शिव भक्तों के लिए BJP के दरवाजे खुले बिहार विधानसभा के बीच पटना एयरपोर्ट पर शुक्रवार को राजनीति में विरोधी माने जाने वाले दो नेता साथ-साथ दिखे। भाजपा के गोरखपुर सांसद रवि किशन और जनशक्ति जनता दल के अध्यक्ष और लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव ने एक-दूसरे को देखते ही हाथ मिलाया। दोनों ने हालचाल पूछा और मीडिया से चुनावी हलचल पर बातचीत भी की। तेजप्रताप ने कहा कि वे बिहार के विकास करने वालों के साथ हैं। हम भी टीका लगाते हैं, रवि किशन भी।

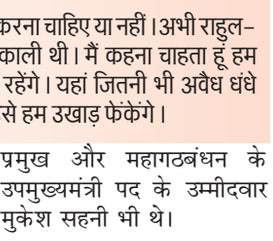

पूर्णिया में अमित शाह बोले- 5 साल में 25 चीनी मिल लगाएंगे

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पूर्णिया में कहा- आने वाले 5 साल में हम बिहार में 25 चीनी मिल लगाएंगे। उसमें से एक पूर्णिया के बनमनखी में लगेगी। हम विकास की बात करते हैं, वो जंगलराज वाले विकास नहीं कर सकते हैं। शाह ने कहा- मैं सीमांचल की धरती से पूछता हूं घुसपैठियों को बाहर करना चाहिए या नहीं। अभी राहुल-तेजस्वी ने घुसपैठिए बचाओ यात्रा निकाली थी। मैं कहना चाहता हूं हम एक-एक घुसपैठिए को बाहर करके रहेंगे। यहां जितनी भी अवैध धंधे जंगलराज में घुसपैठियों ने बनाए हैं, उसे हम उखाड़ फेंकेंगे।

सुप्रीम कोर्ट बोला- प्रॉपर्टी खरीदने-बेचने का सिस्टम 300 साल पुराना

- इससे प्रापर्टी खरीदना सदमे जैसा, हमें नए ढंग से सोचना होगा, विकल्प तलाशने होंगे

दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने जमीन की रजिस्ट्री और जमीन के मालिकाने के ढांचे में बुनियादी सुधार की जरूरत बताई है। कोर्ट ने कहा कि ब्रिटिश राज के समय के कानूनों पर टिके मौजूदा ढांचे ने भ्रम, अकुशलता और बड़े स्तर पर मुकदमे पैदा किए हैं। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने सुझाव दिया कि ये समस्याएं खत्म करने के लिए सरकार ब्लॉकचेन जैसी टेक्नॉलॉजी इस्तेमाल करने पर विचार करे। साथ ही, विधि आयोग को इस पर विस्तृत अध्ययन करने को कहा। आयोग

से केंद्र, राज्य सरकारों, विशेषज्ञों और अन्य संबंधित पक्षों से रायशुमारी करके रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है। प्रॉपर्टी खरीदने-बेचने का सिस्टम तीन सौ साल पुराने कानूनों से संचालित है। ये अलग दौर में बने थे। लेकिन, आज भी रीढ़ बने हुए हैं। इन कानूनों ने स्वामित्व और रजिस्ट्रेशन के बीच असमानता बना रखी है। कोर्ट ने बिहार रजिस्ट्रेशन रूल्स, 2008 का नियम 19 रद्द करते हुए ये टिप्पणियां कीं।

जमीन रजिस्ट्रेशन मुश्किल, डिजिटल सुधार जरूरी- कोर्ट ने कहा जमीन रजिस्ट्रेशन का पुराना तरीका संपत्ति खरीदने-बेचने को मुश्किल और उलझा हुआ बनाता है। संपत्ति खरीदना कभी आसान नहीं, बल्कि सदमे जैसा है।

केरल हाईकोर्ट बोला-अविवाहित बेटी पिता से गुजारा-भाा नहीं ले सकती

क्रिश्चियन पर्सनल लॉ भी इसकी इजाजत नहीं देता; ईसाई पिता ने याचिका लगाई थी

तिरुवनंतपुरम,एजेंसी। केरल हाईकोर्ट ने कहा ईसाई धर्म मानने वाली अविवाहित बेटी अपने पिता से गुजारा-भत्ता लेने का दावा नहीं कर सकती। अदालत ने स्पष्ट किया कि क्रिश्चियन पर्सनल लॉ में इसके लिए कोई प्रावधान नहीं है। जबकि मुस्लिम पर्सनल लॉ और हिंदू दत्तक एवं भरण-पोषण अधिनियम (ू्रूरू) में ऐसा हक मौजूद है। **जानिए क्या है पूरा मामला :** केरल हाईकोर्ट के जस्टिस डॉ. कौसर एडप्पागथ की बेंच ने 29 अक्टूबर की एक याचिका पर सुनवाई की, जिसमें 65 वर्षीय ईसाई व्यक्ति ने फैमिली कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी जिसमें उसे अलग रह रही पत्नी को हर महीने 20,000 रुपए और 27 साल की अविवाहित बेटी को 10,000 रुपए भरण-पोषण देने का निर्देश दिया गया था। याचिकाकर्ता का कहना था कि उसकी बेटी याचिका दायर होने के समय बालिग थी, इसलिए वह भरण-पोषण पाने की हकदार नहीं है।

अवैध रूप से पेड़ों की कटाई-छंटाई के मामले में निगम को कड़ी फटकार, एनजीटी ने लगाया 50 हजार का जुर्माना

दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने पश्चिम विहार में बड़े पैमाने पर अवैध रूप से पेड़ों की कटाई और छंटाई के मामले में नगर निगम को कड़ी फटकार लगाई है। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य डॉ. ए सेंथिल वेल ने एमसीडी के रवैये को गैर-जिम्मेदाराना करार देते हुए 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया और एक सप्ताह के अंदर राशि जमा करने का आदेश दिया। याचिकाकर्ता ख्याति आनंद ने फरवरी-मार्च 2024 में क्षेत्र में अवैध रूप से 250 से अधिक पेड़ों की कटाई और 20 से ज्यादा पेड़ों की ऊपरी शाखाओं की भारी छंटाई का आरोप लगाया था। संयुक्त समिति की जांच रिपोर्ट ने इन आरोपों की पुष्टि की। रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि कई पेड़ों की अत्यधिक छंटाई की गई जबकि कटे पेड़ों की लकड़ी पंजाबी बाग के श्मशान घाट में भेजने का दावा किया गया लेकिन परिवहन की कोई अनुमति या दस्तावेज पेश नहीं किए गए। तीन पेड़ मृत पाए गए लेकिन बदले में नए पेड़ नहीं लगाए गए। साथ ही, कई पेड़ों के आसपास सीमेंट की पक्की सतह बना दी गई जिसे एनजीटी के पुराने आदेशों के बावजूद नहीं हटाया गया। वहीं, एमसीडी ने बचाव में कहा कि छंटाई का काम ठेकेदार का था। उस पर निगम का नियंत्रण नहीं था जिसे अधिकरण ने सिरे से खारिज कर दिया। पीठ ने इसे एमसीडी की लापरवाही बताया। अधिकरण ने एमसीडी को अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का समय दिया है लेकिन जुर्माने के साथ चेतावनी दी कि आगे ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मामले की सुनवाई 16 जनवरी को होगी।

आरपीएफ ने 57 किलो गांजे के साथ दो तस्कर पकड़े, कीमत बताई जा रही 28 लाख से ज्यादा

नई दिल्ली, एजेंसी। आरपीएफ ऑपरेशन नारकोस के तहत नई दिल्ली स्टेशन से दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से कुल 57 किलोग्राम गांजा (कैनबिस) बरामद किया गया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 28.5 लाख आंकी गई है। आरपीएफ की टीम ने शिवाजी ब्रिज रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 4/5 पर दो संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान तुनु शेख और रामिरुल के रूप में हुई है। दोनों के पास से दो ट्रॉली बैग और दो बैकपैक बरामद हुए। इनकी जांच में 16 पैकेट गांजा मिला, जिनका कुल वजन 57 किलो था। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह सिकंदराबाद से अवैध रूप से ट्रेन संख्या 12723 से दिल्ली गांजा लाए थे। यह गांजा उन्हें अब्दुल रहमान निवासी सिकंदराबाद द्वारा सप्लाई किया गया था। गांजे को शहवा डेयरी दिल्ली में पहुंचाना था।

रिठाला मेट्रो स्टेशन के पास लगी आग में सैकड़ों झोपड़ियां राख, एक मौत ; हादसे में एक बच्चा भी घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। रिठाला मेट्रो स्टेशन के पास लगी भीषण आग में 400-500 झुग्गियां जलकर खाक हो गई हैं। एक व्यक्ति की मौत हुई है। शुरुआती जानकारी में आया है कि आग से एलपीजी सिलेंडर एक बाद एक फटे जिससे आग और भड़क गई। अग्निशमन विभाग ने बताया कि उसे रात करीब 10.56 बजे आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद 15 दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। दमकलकर्मी आग पर काबू पाने में जुटे हैं। घटना में एक बच्चा भी घायल हुआ है, उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा दिया गया। इस बीच, पुलिस सूत्रों ने बताया कि कई एलपीजी सिलेंडर फटने से आग और भड़क गई और निवासियों में दहशत फैल गई। इलाके से धुएं का घना गुबार उठता देखा गया, जबकि स्थानीय लोग अपना सामान बचाने और सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए इधर-उधर भाग रहे थे। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और आग को और फैलने से रोकने के लिए अतिरिक्त दमकल गाड़ियों को तैयार रखा गया है।

प्रदूषण की मार से बढ़े साइनस के मरीज, दिल्ली के बड़े अस्पतालों में रोगियों की संख्या में इजाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में बढ़ते प्रदूषण ने लोगों की सेहत को बुरी तरह प्रभावित किया है। स्मॉग और ठंड के मिश्रण से खांसी, जुकाम, गले में खराश जैसी समस्याएं आम हो गई हैं, जबकि साइनसाइटिस के मरीजों की संख्या में तेज इजाफा हो रहा है। राम मनोहर लोहिया (आरएमएल), एम्स, सफदरजंग समेत अन्य अस्पतालों में मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। इसके अलावा, आरएमएल अस्पताल में प्रदूषण पीड़ितों के लिए विशेष क्लिनिक शुरू की है। यह क्लीनिक आरएमएल अस्पताल में हर सोमवार दोपहर 2 से 4 बजे तक खुला रहता है, जहां बड़ी तादाद में मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। इस अस्पताल की विशेष क्लीनिक की ओपीडी में रेस्पिरेटरी, ईएनटी, नेत्र और मनोरोग विभाग के डॉक्टर एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं। सबसे पहले सांस संबंधी विशेषज्ञ मरीज को देखते हैं और जरूरत पड़ने पर अन्य विभागों में रेफर करते हैं। अस्पताल प्रशासन ने लोगों से मास्क पहनने, घर के अंदर रहने और डॉक्टरी सलाह लेने की अपील की है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर प्रदूषण नियंत्रण नहीं हुआ तो स्थिति और खराब हो सकती है। एक अस्पताल

के ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. भूषण कतुरिया बताते है कि यदि कुछ हफ्तों के बाद भी लक्षणों में सुधार नहीं होता है तो डॉक्टर से मिलें। आपको संभावित रूप से बैक्टीरियल संक्रमण हो सकता है। इसके लिए एंटीबायोटिक की आवश्यकता हो सकती है। सभी एंटीबायोटिक गोलियों को निर्देशानुसार लें, आमतौर पर 10-14 दिनों के लिए। इसे जल्दी बंद न करें नहीं तो संक्रमण वापस आ सकता है।

ओपीडी में रोजाना आते हैं हजारों मामले : दिल्ली के प्रमुख सरकारी अस्पतालों में प्रदूषण के मौसम में साइनसाइटिस के मरीजों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है। सफदरजंग अस्पताल में दैनिक दस से बारह हजार ओपीडी मरीजों में से ईएनटी ओपीडी में प्रतिदिन पचास से साठ नए साइनस मामले दर्ज हो रहे हैं और प्रदूषण में बीस से तीस प्रतिशत की बढ़ोतरी हो रही है। लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में तीन से साढ़े तीन हजार दैनिक ओपीडी मरीजों में ईएनटी क्लिनिक में दस से पंद्रह प्रतिशत साइनस मामले आ रहे हैं। यह अस्पताल कुल पंद्रह लाख आबादी को सेवा प्रदान करता है। इसी तरह दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में ढाई से तीन हजार दैनिक ओपीडी मरीजों में श्वसन ओपीडी में बीस प्रतिशत साइनस मामले हैं। वरिष्ठ नागरिकों क्लिनिक में इनकी संख्या अधिक रहती है।

साइनस क्या है: साइनस चेहरे की हड्डियों में मौजूद चार जोड़ी छोटी-छोटी हवा से भरी गुहाएं (कैविटीज) होती हैं, जो मैक्सिलरी (गालों में), फ्रंटल (माथे में), एथमॉइड (नाक के पीछे आंखों के बीच) और स्फेनॉइड (नाक के पीछे गहरे में) जो नाक से बलगम के माध्यम से जुड़ी रहती हैं। इनका मुख्य कार्य हवा को नम और गर्म करना, आवाज को गूंज देना व सिर का वजन कम रखना है, लेकिन जब ये सूज जाती हैं (साइनुसाइटिस) तो सिरदर्द, नाक बंद होना और चेहरे पर दबाव जैसी समस्याएं पैदा करती हैं।

साइनस के बचाव और सावधानियां: बचाव हाथ धोना: साबुन से 20 सेकंड तक, छींकने/खाने से पहले।

नाक की सफाई: जल नेति (सलाइन इरिगेशन) रोज या मौसम बदलते ही।

नमी बनाए रखें: ह्यूमिडिफायर इस्तेमाल करें, खूब पानी पीएं। एलर्जी कंट्रोल: एलर्जन (धूल, पराग) से दूर रहें, दवा लें। धूम्रपान/प्रदूषण से बचें- सिगरेट, वाहनों का धुआं न लें। वैक्सीनेशन: फ्लू और न्यूमोकोकल (फ्लू शॉट) वैक्सीन लगवाएं। सावधानियां लक्षण 10 से अधिक दिन रहें बुखार, सिरदर्द, नाक बंद के लक्षण तो डॉक्टर के पास जाएं। आंख/माथे में तेज दर्द, सूजन या दृष्टि प्रभावित हो तो तुरंत ईएनटी डॉक्टर के पास जाएं। बच्चे/बुजुर्ग: कमजोर म्युनिटी वाले जल्दी जांच कराएं। स्व-दवा न करें: एंटीबायोटिक बिना प्रिस्क्रिप्शन न लें। मास्क पहनें: प्रदूषित इलाके या सर्दी में। औद्योगिक धुआं और मौसमी बदलाव प्रदूषण को बढ़ावा दे रहे पेड़ों की कटाई, औद्योगिक धुआं और मौसमी बदलाव प्रदूषण को बढ़ावा दे रहे हैं। इससे न केवल खांसी-जुकाम, बल्कि साइनसाइटिस, त्वचा रोग, आंखों की जलन और ईएनटी समस्याएं हो रही हैं। दोपहिया वाहन चालकों को त्वचा की दिक्कतें ज्यादा सता रही हैं। प्रदूषण पुरानी बीमारियों को और गंभीर बना देता है। सांस की बीमारियों के मरीजों में इजाफा हुआ है। पहले सामान्य दवाओं से ठीक होने वाले मरीज अब अस्पताल पहुंच रहे हैं। कुछ स्वस्थ लोग भी पहली बार सांस फूलने की शिकायत लेकर आ रहे हैं।

पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला सुलझाया दो हमलावर गिरफ्तार; हथियार बरामद

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के वेलकम थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते हुए हत्या के प्रयास के एक मामले को पुलिस ने मात्र 24 घंटे में सुलझा लिया। दो आरोपियों को गिरफ्तार कर अपराध में इस्तेमाल पेपर कटर भी बरामद कर लिया गया। घायलों की हालत स्थिर है और इलाज जारी है। घटना गुरुवार रात करीब 11.30 बजे कबीर नगर की 33 फुटा रोड पर हुई। पीड़ित शाजेब (30 वर्ष) और उसका दोस्त शैद (27 वर्ष) घर लौट रहे थे जब दो युवकों ने उन पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने शोर मचाया तो हमलावर भाग निकले। घायलों को तुरंत जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी सर्जरी हुई। शुक्रवार सुबह 1.36 बजे पुलिस को मारपीट की सूचना मिली। मौके पर पहुंची टीम ने देखा कि घायलों को पहले ही अस्पताल भेजा जा चुका था। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से खून के धब्बे, कपड़े के टुकड़े और अन्य साक्ष्य जुटाए। वेलकम

थाने में धारा 109(1), 115(2) और 3(5) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। एसएचओ इंस्पेक्टर रूपेश कुमार खत्री के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई, जिसमें एसआई, हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल शामिल थे। सीसीटीवी फुटेज, गवाहों के बयान और तकनीकी निगरानी से सुराग मिले। शुक्रवार देर रात तक दोनों संदिग्धों को दबोच लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान तोहीद (23 वर्ष), पुत्र अजमल, गली नंबर 1, हमजा मस्जिद के पास, कबीर नगर और अजहर अली उर्फ अज्जू (24 वर्ष), पुत्र अफजल, गली नंबर 8, कबीर नगर के रूप में हुई। दोनों पीड़ितों के पड़ोसी हैं।

पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया कि शाजेब और शैद के साथ उनकी पुरानी दुश्मनी थी। छोटी-मोटी बातों पर झगड़ा हुआ करता था, जो अब बदले की आग बन गया। आरोपियों ने बताया कि उसने बाजार से पेपर कटर खरीदा और अजहर को साथ लिया। दोनों ने मौका देखकर हमला किया। उनकी निशानदेही पर हथियार बरामद कर लिया गया। जांच में पता चला कि अजहर पर पहले से दो आपराधिक मामले (मारपीट और चोरी) दर्ज हैं। कि अपनी चीजें खुद बनाएं, बिना किसी विदेशी सहयोग के। पर्यावरण ं नारे नहीं होने चाहिए।

आर्थिक क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के बिना सच्चा विकास संभव नहीं : वीके सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। मिजोरम के राज्यपाल जनरल (रि.) डॉ. वीके सिंह ने शनिवार को कहा कि जब तक हम आर्थिक क्षेत्र में आत्मनिर्भर नहीं होंगे, तब तक सच्चा विकास संभव नहीं है।राज्यपाल डॉ. सिंह अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद द्वारा डॉ. अम्बेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में ÷विकसित भारत 2047÷ विषय पर आयोजित सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। सेमिनार का मुख्य उद्देश्य पूर्व सैनिकों के कल्याण को बढ़ावा देना तथा राष्ट्रीय विकास में उनके महत्वपूर्ण योगदान पर विचार-विमर्श करना था। सेमिनार में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अध्यक्ष राम बहादुर राय और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य राम माधव भी उपस्थित रहे। सेमिनार में वक्ताओं ने आर्थिक आत्मनिर्भरता, समाजवादी सोच से मुक्ति, महिला सशक्तिकरण और हरित विकास जैसे मुद्दों पर गहन चर्चा की। डॉ. सिंह ने कहा कि चीन के दौर को देखें, उन्होंने आर्थिक रूप से क्रांतिकारी बदलाव किया। उन्होंने कहा कि अलग-अलग चीजों पर बात करने के बजाय उद्योग और मैन्युफैक्चरिंग पर फोकस करें। जब तक हम अपनी जरूरतों को

समझकर काम नहीं करेंगे, तब तक कुछ हासिल नहीं होगा। उन्होंने एमएसएमई सेक्टर का उल्लेख कर कहा कि गाजियाबाद जैसे क्षेत्रों में दो प्रमुख उद्योग स्थापित हो चुके हैं। कृषि क्षेत्र में भी बदलाव पर जोर देते हुए सिंह ने कहा कि पूरी दुनिया में अपनी प्राकृतिक उपज को बेचें। प्राकृतिक खेती पर धीरे-धीरे जोर दिया जा रहा है, लेकिन लोगों में विश्वास जगाना जरूरी है कि इससे नुकसान नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि लक्ष्य बड़ा होना चाहिए, तभी कुछ बड़ा किया जा सकता है। उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के हवाले से कहा कि आज के समय में पैसे की कमी नहीं है। ई-गवर्नेंस से देश को भारी लाभ मिल रहा है। पारदर्शिता आने पर भ्रष्टाचार समाप्त हो जाता है।डॉ. सिंह ने कहा कि कोई भी देश तब तक विकसित नहीं हो सकता जब तक वह आर्थिक रूप से सशक्त न बन जाए। समाज समावेशी और न्यायपूर्ण न होने पर प्रगति असंभव है। उन्होंने 1947 की समाजवादी सोच का जिक्र करते हुए कहा कि समाजवाद ने सबको काम देने का वादा किया, लेकिन अब लोगों को समझने का समय आ गया है। समाजवादी सोच से बाहर आना होगा। पिछले 11 वर्षों में गरीबी की दर में उल्लेखनीय कमी आई है।महिला सशक्तिकरण पर सिंह ने कहा कि आज 14 प्रतिशत कार्यबल महिलाओं का है, लेकिन 2047 तक इसे 35-40 प्रतिशत तक पहुंचाना होगा। जो डेटा को कंट्रोल करेगा, वही देश आगे बढ़ेगा। दूसरों पर निर्भर रहने से प्रगति नहीं होती। समय आ गया है।

रूस ने पुतिन और लावरोव के बीच मतभेद की अफवाहों को किया खारिज

मॉस्को, एजेंसी। रूस ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच किसी तरह के मतभेदों को अटकलबाजी करार देते हुए इसे सिरे से खारिज कर दिया है।

ये अटकलें पिछले महीने पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच होने वाले एक शिखर- सम्मेलन के रद्द होने के बाद तेज हो गई थीं। सोवियत युग के अनुभवी राजनयिक 75 वर्षीय लावरोव अपनी कठोर वार्ता शैली के लिए प्रसिद्ध हैं। वह इस सप्ताह क्रेमलिन में एक प्रमुख बैठक से भी गैरहाजिर रहे, जिसमें उनकी उपस्थिति सामान्य होती है। इसके अलावा, पुतिन ने दक्षिण अफ्रीका में होने वाले आगामी जी20 शिखर सम्मेलन के लिए भी किसी अन्य अधिकारी को रूस का प्रतिनिधित्व करने को कहा है। यह भूमिका अब तक हमेशा लावरोव ने ही निभाई है।

लगातार दो सप्ताहों से विदेश मंत्रालय ने लावरोव के आगामी यात्रा कार्यक्रम और सार्वजनिक कार्यक्रमों की जानकारी भी नहीं दी, जिससे इस तरह की अफवाहों को और बल मिला है। ऐसा भी समझा जा रहा है कि दो दशकों से अधिक समय से रूस की विदेश नीति संभाल रहे लावरोव शायद पुतिन के करीबी लोगों के दायरे से बाहर हो चुके हैं और ऐसा खासकर बुडापेस्ट में प्रस्तावित

शिखर सम्मेलन विफल होने के कारण हुआ है।

इस बीच क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव से शुक्रवार को जब पत्रकारों ने पूछा कि क्या पुतिन लावरोव से नाराज हैं, तो उन्होंने इसे सिरे से नकार दिया। उन्होंने कहा, मैं संक्षिप्त जवाब दूंगा। इन रिपोर्टों में कोई सच्चाई नहीं है।

लावरोव की वर्तमान भूमिका की पुष्टि करते हुए उन्होंने कहा, निस्संदेह। लावरोव विदेश मंत्री के रूप में काम कर रहे हैं।

बुडापेस्ट शिखर सम्मेलन की चर्चा 20 अक्टूबर को लावरोव की अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ फोन पर हुई बातचीत के बाद शुरू हुई। इससे पहले ट्रंप ने पुतिन के साथ वार्ता के बाद इस सम्मेलन के बारे में घोषणा कर दी थी। हालांकि, अगले ही दिन ट्रंप ने इससे पीछे हटते हुए इसे समय की बर्बादी करार दिया और बाद में कहा कि यह सिर्फ सही नहीं लग रहा था।

ट्रंप रूस के साथ गर्मजोशीपूर्ण संबंधों की कोशिश कर रहे है जिसमें अगस्त में अलास्का में पुतिन के साथ शिखर सम्मेलन शामिल है। वह वर्तमान मोर्चों पर यूक्रेन में तत्काल युद्धविराम की वकालत कर रहे हैं। लेकिन रूस ने यूक्रेन से और अधिक क्षेत्रीय रियायतें मांगी हैं।

इस बीच मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिका ने लावरोव के विदेश मंत्रालय द्वारा यूक्रेन पर कोई लचीलापन न दिखाने के संकेत के बाद नया शिखर सम्मेलन रद्द कर दिया।

ब्रिटेन के एक समाचारपत्र के मुताबिक लावरोव की रुबियो से बात ने अमेरिका को निराश किया, और वह थके हुए लग रहे थे तथा पुतिन की मंशा के बावजूद अमेरिका से संबंध जोड़ने में रुचि नहीं दिखा रहे थे।

रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया ज़खारोवा ने शुक्रवार को इस समाचारपत्र के लेख को भड़काने वाली अटकलें बताया, जो रूस को नुकसान पहुंचाने के लिए हैं। उन्होंने इसे रूस के खिलाफ हाइब्रिड युद्ध का हिस्सा करार दिया। पुतिन ने स्पष्ट कर चुके हैं कि यूक्रेन मुद्दे को छोड़कर, रूस - अमेरिका के बीच सुलह राष्ट्रीय हित में है। यह वैश्विक सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि दोनों देशों के पास विशाल परमाणु हथियारों के भंडार हैं।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन को पूरक पोषण सहायता कार्यक्रम में अस्थायी कटौती करने की अनुमति दी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में सरकारी शटडाउन से उत्पन्न संकट के बीच उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार देररात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ी राहत प्रदान की। न्यायमूर्ति केतनजी ब्राउन जैक्सन ने ट्रंप प्रशासन को पूरक पोषण सहायता कार्यक्रम में अस्थायी कटौती करने की अनुमति दे दी। न्यायमूर्ति ने निचली अदालत के आदेश पर फौरी रोक लगा दी। निचली अदालत ने प्रशासन को पूरक पोषण सहायता कार्यक्रम की पूरी राशि आवंटित करने का आदेश दिया था।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, न्यायमूर्ति ने व्हाइट हाउस के कदमों की वैधता पर कोई फैसला नहीं सुनाया। इसके बजाय उन्होंने निचली अदालत के फैसले पर रोक लगाई ताकि अपील अदालत को सरकार की दलील पर विचार करने के लिए और समय मिल सके। सरकार शटडाउन के दौरान पूरक पोषण सहायता कार्यक्रम में कटौती करने की अनुमति मांगी है।

प्रशासनिक रोक के रूप में आया यह आदेश ऐसे समय में आया है जब न्यूयॉर्क, कंसास, पेंसिल्वेनिया और ओरेगन सहित कई राज्यों ने अपने निवासियों को पूर्ण लाभ जारी करना शुरू कर दिया है। कई राज्यों ने अपनी योजनाओं की घोषणा उस दिन की, जब कृषि

विभाग ने अपने दिशा-निर्देशों में सुझाव दिया कि वह जल्द ही इस योजना के लिए धनराशि उपलब्ध करा सकता है।

न्यायमूर्ति जैक्सन ने आदेश में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अपील अदालत मामले का मूल्यांकन करेगी और जल्द ही संपूर्ण फैसला सुनाएगी।

उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप ने लगभग 4.2 करोड़ अमेरिकियों के सामने संकट खड़ा कर दिया है। देश में 38 दिन से जारी सरकारी शटडाउन से हर समुदाय परेशान है। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में पूरक पोषण सहायता कार्यक्रम को एसएनएपी, स्नैप, फूड स्टैम्प और खाद्य टिकट के रूप में भी जाना जाता है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पाकिस्तान को जल प्रबंधन के लिए आगाह किया

इस्लामाबाद, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान को जल संसाधन प्रबंधन के लिए आगाह किया है। आईएमएफ ने कहा कि ऐसा बेहद जरूरी है, क्योंकि सरकार को बड़े बांधों को जल्द पूरा करने के लिए 3.3 ट्रिलियन रुपये की जरूरत है। इस्लामाबाद में आईएमएफ के स्थानीय प्रतिनिधि माहिर बिनिसी ने शुक्रवार को यह चेतावनी सतत विकास नीति संस्थान (एसडीपीआई) के चार दिवसीय सम्मेलन के समापन सत्र में दी।

द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, माहिर की यह टिप्पणी ऐसे समय पर आई है जब पाकिस्तान दोहरी चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को हर साल कुछ समय तक पानी की कमी का सामना करना पड़ता है। बिनिसी ने कहा कि पाकिस्तान को अपने सकल घरेलू उत्पाद का एक प्रतिशत लचीले अवसंरचना में निवेश करने की आवश्यकता है, जिससे बाढ़ आपदा के आर्थिक प्रभाव को कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि आईएमएफ कार्यक्रम के तहत पाकिस्तान को 2027 तक अपने टैक्स से जीडीपी अनुपात को बढ़ाकर 13.5 फीसद करना होगा।

राष्ट्रपति ट्रंप पर न्यायाधीश की कठोर टिप्पणी, पोर्टलैंड में नेशनल गार्ड की तैनाती पर रोक लगाई

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी जिला न्यायालय की न्यायाधीश करिन जे. इमरगुट ने शुक्रवार को ओरेगन के पोर्टलैंड में नेशनल गार्ड की तैनाती पर प्रतिबंध लगा दिया। न्यायाधीश ने फैसले में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ कठोर टिप्पणी की। उन्होंने लिखा, राष्ट्रपति ट्रंप ने पोर्टलैंड में आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) कार्यालय की सुरक्षा के लिए नेशनल गार्ड के सैनिकों को तैनात कर अपने अधिकार का अतिक्रमण किया।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, करिन जे. इमरगुट को ट्रंप ने ही न्यायाधीश के रूप में नामित किया था। न्यायाधीश इमरगुट ने अपने अंतिम 106 पृष्ठों के फैसले में सरकारी वकीलों की उन दलीलों को खारिज कर दिया कि आईसीई भवन में विरोध प्रदर्शनों ने संघीय अधिकारियों के लिए आव्रजन प्रवर्तन करना असंभव बना दिया। उन्होंने कहा कि ओरेगन प्रांत में नेशनल गार्ड के सैनिकों का इस्तेमाल करने के प्रयास ने अमेरिकी संविधान के 10वें संशोधन का उल्लंघन किया गया है।

उन्होंने लिखा, साक्ष्य दर्शाते हैं कि इस तैनाती पर ओरेगन के गवर्नर ने आपत्ति जताई थी और कहा था कि नेशनल गार्ड की तैनाती राष्ट्रपति के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। न्यायाधीश इमरगुट ने राष्ट्रपति के इस दावे का भी खंडन किया कि एंटीफा कम से कम पोर्टलैंड में संघीय सरकार के विरुद्ध काम करने वाला एक संगठित और एकजुट समूह है।

उन्होंने कहा कि ओरेगन स्थित प्रतिष्ठान में हुए नुकसान या विरोध प्रदर्शनों की विध्वंसकारी प्रकृति के बारे में आईसीई के क्षेत्रीय निदेशक की गवाही विश्वसनीय नहीं है। उल्लेखनीय है कि इलिनोइस में नेशनल गार्ड सैनिकों के इस्तेमाल से जुड़ा एक ऐसा ही मामला वर्तमान में उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है। ओरेगन की डेमोक्रेट गवर्नर टीना कोटेक ने इस फैसले की सराहना करते हुए कहा कि यह जमीनी तथ्यों को पुष्ट करता है। उन्होंने कहा, ओरेगन सैन्य हस्तक्षेप नहीं चाहता। राष्ट्रपति ट्रंप का नेशनल गार्ड को संघीय बनाने का प्रयास सत्ता का घोर दुरुपयोग है।

इस फैसले पर विभाग की सहायक सचिव ट्रिशिया मैकलॉघलिन ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप अपने वैधानिक अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए पोर्टलैंड में संघीय संपत्तियों और कर्मियों की सुरक्षा के लिए नेशनल गार्ड को निर्देश दे रहे हैं। महीनों से चल रही हिंसा में वामपंथी दंगाइयों ने अधिकारियों पर हमला किया। राष्ट्रपति पोर्टलैंड को और सुरक्षित बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

वन्देमातरम भारतीयों के हृदय में राष्ट्रभक्ति और मातृभूमि के प्रति अटूट प्रेम का प्रतीक है: विधायक

वंदे मातरम् 150वां स्मरणोत्सव समारोह गरिमामय रूप से सम्पन्न

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। विधायक सीधी रीती पाठक के मुख्य आतिथ्य में वंदे मातरम् 150वां स्मरणोत्सव समारोह का गरिमामय आयोजन जिला पंचायत सभागार में किया गया। इस अवसर पर विधायक सीधी के साथ जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह, सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी एवं देव कुमार सिंह चौहान सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं अधिकारियों - कर्मचारियों ने एक स्वर में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया और मातृभूमि के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। इस दौरान देशभक्ति से ओतप्रोत वातावरण में वंदे मातरम् की गूंज से समूचा परिसर मुखरित हो उठा। इस अवसर पर विधायक रीती पाठक ने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि यह भारत माता के प्रति समर्पण, गर्व और एकता का प्रतीक है। यह गीत स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भारतीयों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा कृ जब-जब देशभक्ति की लहर उठी, 'वंदे मातरम्' के स्वर ने उसे नई ऊर्जा दी। वंदे मातरम् गीत भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान राष्ट्रीय जागरण का मंत्र बना। इसके उद्घोष से स्वाधीनता सेनानियों ने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध संघर्ष में अपार बल पाया। यह गीत भारतीयों के हृदय में राष्ट्रभक्ति और मातृभूमि के प्रति अटूट प्रेम का प्रतीक बन गया। विधायक ने कहा कि यह गीत हमें स्मरण कराता है कि राष्ट्र की सेवा ही हमारा सर्वोच्च धर्म है। आज जब हम 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने का उत्सव मना रहे हैं, तब हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने कर्म, आचरण और विचार से देश को और ऊँचाइयों तक पहुँचाएँ। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य प्रदीप शुक्ला, पूजा कुशराम, सरस्वती बहेलिया, इंद्रशरण सिंह चौहान, पंकज पाण्डेय, विश्वबंधुधर द्विवेदी, पुष्पराज सिंह चौहान सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। जिले के सभी जनपद पंचायत मुख्यालयों में भी वंदे मातरम् 150वां स्मरणोत्सव के अवसर पर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा गणमान्य नागरिकों द्वारा राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया गया और मातृभूमि के प्रति श्रद्धा व्यक्त की गई।

गांजा तस्करी का इनामी आरोपी गिरफ्तार, टीआई ने किराएदार बनकर पकड़ा; 5 हजार का इनाम था

मीडिया ऑडिटर, शहडोल (निप्र)। पुलिस ने गांजा तस्करी के एक फरार इनामी आरोपी को छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से गिरफ्तार किया है। आरोपी राहुल तिवारी पर 5 हजार रुपए का नगद इनाम घोषित था। पुलिस टीम ने बिलासपुर में किराएदार बनकर रेकी की। फिर घेराबंदी कर उसे पकड़ा।

गांजा तस्करी के मामले में आरोपी गिरफ्तार: मामला सितंबर 2024 का है। दरअसल, खैरहा थाना क्षेत्र के करकटी जंगल में पुलिस ने एक कार से 1 क्विंटल 74 किलो गांजा बरामद किया था। बरामद गांजे की कीमत 10 लाख रुपए से अधिक आंकी गई थी। इस मामले में पुलिस ने पहले ही पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस के अनुसार, यह गांजा ओडिशा से लोड होकर बुढ़ार की ओर ले जाया जा रहा था।

1 साल से पुलिस कर रही है तलाश: घटना के बाद से ही अनूपपुर जिले के चचाई थाना क्षेत्र का निवासी राहुल तिवारी फरार चल रहा था। पुलिस सितंबर 2024 से लगातार उसकी तलाश कर रही थी। हाल ही में पुलिस को मुखबिर और तकनीकी जानकारी के माध्यम से पता चला कि राहुल तिवारी छत्तीसगढ़ के बिलासपुर स्थित सरकंडा क्षेत्र में एक किराए के मकान में रह रहा है। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी उमाशंकर चतुर्वेदी के नेतृत्व में तीन पुलिसकर्मी बिलासपुर पहुंचे।

तीन अलग-अलग कॉलोनियों में किराएदार बनकर की रेकी: पुलिसकर्मियों ने तीन दिनों तक तीन अलग-अलग कॉलोनियों में किराएदार बनकर रेकी की। कड़ी मशक्कत के बाद राहुल तिवारी का ठिकाना पता चला। इसके बाद पुलिस ने रात में घेराबंदी कर इनामी आरोपी राहुल तिवारी को गिरफ्तार कर लिया और उसे खैरहा ले आई है।

मवेशी तस्करी का भंडाफोड़, इलाहाबाद ले जाए जा रहे थे एक आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडिटर , शहडोल (निप्र)। देवलौंद पुलिस ने पशु तस्करी का भंडाफोड़ करते हुए चार मवेशियों को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराया है। पुलिस ने समधिन तिराहे के पास से एक पिकअप वाहन जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। ये मवेशी इलाहाबाद ले जाए जाने थे, लेकिन पुलिस ने तस्करों के मंसूबों को नाकाम कर दिया।

देवलौंद थाना प्रभारी सुभाष दुबे को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक पिकअप वाहन बुढ़वा से मवेशियों को लेकर बाणसागर की ओर आ रहा है। इस सूचना पर थाना प्रभारी अपनी टीम के साथ तत्काल समधिन तिराहे पहुंचे और नाकेबंदी की। पुलिस की नाकेबंदी देखकर पिकअप चालक वाहन छोड़कर भागने लगा। पुलिस टीम ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बुढ़वा निवासी रामकृष्ण प्रजापति के रूप में हुई है। थाना प्रभारी के अनुसार, जब्त किए गए पिकअप वाहन में चार मवेशियों को क्रूरतापूर्वक बांधा गया था। पुलिस ने इन मवेशियों को सुरक्षित रूप से कांजी हाउस में रखवाया है। आरोपी रामकृष्ण प्रजापति के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी गई है। पुलिस ने पिकअप वाहन को भी जब्त कर थाने में खड़ा कर लिया है। थाना प्रभारी सुभाष दुबे ने बताया कि मवेशियों को बुढ़वा से एक सुनसान जगह ले जाया जा रहा था, जहां से उन्हें बड़े वाहन में इकट्ठा कर इलाहाबाद भेजा जाना था। मामले में जांच जारी है और आरोपियों की संख्या बढ़ सकती है।

लेडी सब इंजीनियर पर धोखाधड़ी की एफआईआर नगर निगम में प्रमोशन के लिए फर्जी लैटर बनवाया

मीडिया ऑडिटरर, सिंगरौली (निप्र)। सब इंजीनियर शिवानी गर्ग पर फर्जी दस्तावेज बनाकर पदोन्नति का फायदा लेने के आरोप में धोखाधड़ी और जालसाजी का मामला दर्ज किया गया है। बैढ़न कोतवाली पुलिस ने नगर निगम कमिश्नर की शिकायत पर यह कार्रवाई की है।

सब इंजीनियर धोखाधड़ी का केस दर्ज: जानकारी के अनुसार, शिवानी गर्ग सिंगरौली नगर निगम में सब इंजीनियर के पद पर कार्यरत थीं। उन्होंने 21 अगस्त 2025 को एक पदोन्नति आदेश प्रस्तुत किया, जिसमें दावा किया गया था कि उन्हें मुख्यमंत्री कार्यालय, भोपाल से सहायक यंत्री के पद पर पदोन्नत किया गया है। शिवानी ने यह आदेश नगर निगम में जमा करते हुए कार्यभार दिए जाने की मांग की थी।

जांच पर नकली निकला प्रमोशन लेटर: नगर निगम कमिश्नर सविता प्रधान को आदेश की सत्यता पर संदेह हुआ। उन्होंने 12 सितंबर को भोपाल के नगरीय प्रशासन विभाग और मुख्यमंत्री कार्यालय को पत्र लिखकर जांच कराई। जांच में 4 नवंबर 2025 को पुष्टि हुई कि शिवानी गर्ग का कोई पदोन्नति आदेश जारी नहीं हुआ है और प्रस्तुत दस्तावेज पूरी तरह से फर्जी है। यह भी स्पष्ट किया गया कि संबंधित आदेश न तो जारी किया गया था और न ही किसी प्रकार से प्रमाणित था।

कमिश्नर ने बैढ़न कोतवाली में की मामले की शिकायत: इसके बाद कमिश्नर ने बैढ़न कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई। नगर पुलिस अधीक्षक पीएस परस्ते ने बताया कि फर्जी दस्तावेज बनाकर धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि कथित तौर पर मुख्यमंत्री कार्यालय का फर्जी आदेश कैसे तैयार हुआ और इस प्रक्रिया में कौन-कौन शामिल हो सकता है।

एक महीने की छुट्टी लेकर फरार: नगर निगम सूत्रों के अनुसार, जब पदोन्नति पत्र संदिग्ध पाया गया, तब कमिश्नर ने शिवानी को आवास योजना अनुभाग में अटैच कर दिया था। सब इंजीनियर एक महीने की छुट्टी लेकर फरार है। उसका मोबाइल भी स्विच ऑफ है। शिवनी गर्ग की छह महीने पहले ही शादी हुई है। शनिवार को ही केस दर्ज किया गया है।

तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पुल से नीचे गिर, ड्राइवर मौके से फरार; सामने से आ रही बाइक को बचाने में हादसा

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। कुसमी थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार कार पुल से नीचे गिर गई। घटना शनिवार दोपहर करीब 2 बजे बड़वाही बड़ी नदी पुल के पास हुई।

पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे जा गिरी कार: एमपी 53 सीए 7673 नंबर की यह कार करुणा सिंह बघेल के नाम पर पंजीकृत है। कार अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे जा गिरी। राहगीरों ने तेज आवाज सुनकर मौके पर देखा तो कार नदी किनारे क्षतिग्रस्त अवस्था में पड़ी थी।

सामने आ रही बाइक को बचाने की कोशिश में हादसा: प्रत्यक्षदर्शी प्रशांत पनिका ने बताया कि कार तेज रफ्तार में थी। सामने से आ रही एक बाइक को बचाने की कोशिश में चालक ने अचानक स्टीयरिंग मोड़ा, जिससे कार अनियंत्रित होकर पुल से नीचे गिर गई। प्रशांत के अनुसार, चालक को मामूली चोटें आई थीं और वह घबराकर तुरंत मौके से फरार हो गया। उसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

पुल पर स्पीड ब्रेकर या चेतावनी संकेतक लगाने की मांग: स्थानीय लोगों ने बताया कि इस पुल पर अक्सर तेज रफ्तार में वाहन गुजरते हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पुल पर स्पीड ब्रेकर या चेतावनी संकेतक लगाने की मांग की है।

2 हजार की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार, 5 हजार मांगे थे; एडवांस लेते रंगे हाथों पकड़ा गया

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। लोकायुक्त टीम ने सीधी जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। शनिवार को चुरहट तहसील के ग्राम टिकर खुर्द में पदस्थ पटवारी शिव प्रताप सिंह को 2,000 रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया।

पटवारी पर जमीन संबंधी प्रतिवेदन तैयार करने के एवज में 5,000 रुपए की मांग करने का आरोप है। यह तीन दिनों में लोकायुक्त की दूसरी बड़ी कार्रवाई है। लोकायुक्त टीआई संदीप भदौरिया ने बताया कि शिकायतकर्ता राजेश सिंह ने 4 नवंबर को इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी। राजेश सिंह के अनुसार, जमीन विवाद को लेकर नायब तहसीलदार चुरहट ने स्टे आदेश जारी किया था। इस आदेश के बाद पटवारी को प्रतिवेदन तैयार करना था, जिसके लिए उसने राजेश सिंह से उनके पक्ष में रिपोर्ट बनाने के लिए 5,000 रुपए की रिश्वत मांगी थी। शिकायत मिलने के बाद लोकायुक्त टीम ने मामले की पुष्टि की और एक जाल बिछाया। शनिवार को कार्रवाई के दौरान पटवारी शिव प्रताप सिंह को शिकायतकर्ता से 2,000 रुपए की नकद राशि लेते हुए पकड़ा गया। गिरफ्तारी के बाद लोकायुक्त टीम आरोपी पटवारी को सीधी सर्किट हाउस ले गई, जहां उससे पूछताछ और आवश्यक दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

न्यायोत्सव की शुरुआत जन जागरूकता वॉकथॉन और प्रदर्शनी से होगी

मीडिया ऑडिटर,सीधी (निप्र)। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में न्याय एवं विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिले में न्यायोत्सव का शुभारंभ रविवार 09 नवंबर की सुबह एक जन-जागरूकता मैराथन/वॉकथॉन और कानूनी सेवाओं, योजनाओं तथा गतिविधियों की प्रदर्शनी से किया जाएगा। सचिव विधिक सेवा प्राधिकरण मुकेश कुमार शिवहरे ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात: 09 बजे जिला न्यायालय परिसर से होगा, जहाँ से प्रतिभागी न्याय के लिए दौड़ दृ कानूनी जागरूकता की ओर प्रत्येक कदम विषय पर आधारित वॉकथॉन में हिस्सा लेंगे। यह रैली जिला न्यायालय परिसर से प्रारंभ होकर गांधी चौक होते हुए पुन: न्यायालय परिसर में समाप्त होगी।

17 लाख का आंगनबाड़ी भवन में 10 साल से ताला, झाड़ियों से घिरा पूरा परिसर; खंडहर होने की कगार पर

मीडिया ऑडिटरर, सिंगरौली (निप्र)। माड़ा इलाके की बसौडा ग्राम पंचायत के जोगियानी गांव में सरकारी लापरवाही और कथित भ्रष्टाचार का एक मामला सामने आया है। यहां लगभग 10 साल पहले 17 लाख रुपये की लागत से एक आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण कराया गया था, लेकिन यह भवन आज तक संचालित नहीं हो सका है। वर्तमान में यह पूरा भवन जंगली झाड़ियों से घिरा हुआ है और धीरे-धीरे खंडहर में तब्दील हो रहा है। गांव के निवासी अजय बंसल ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण गांव से करीब 2 किलोमीटर दूर एक पहाड़ी क्षेत्र में किया गया था। ग्रामीणों ने उस समय भी इस स्थान पर भवन निर्माण का विरोध किया था। उनका तर्क था कि इतनी दूर छोटे बच्चों का पहुंचना मुश्किल होगा। हालांकि, अधिकारियों ने ग्रामीणों की आपत्तियों को नजरअंदाज करते हुए निर्माण कार्य पूरा करा दिया। नतीजतन, भवन तक पहुंचने का कोई उचित रास्ता नहीं है और कोई भी बच्चा वहां कभी नहीं पहुंचा। स्थानीय लोगों का कहना है कि गांव में पहले से ही एक आंगनबाड़ी केंद्र किराए के भवन में संचालित हो रहा है। वहीं, सरकारी धन से बना यह पक्का भवन जंगली वनस्पतियों और टूटती दीवारों के बीच बर्बाद हो रहा है। ग्रामीण इसे अधिकारियों की मिलीभगत और फर्जी खर्च दिखाकर धन हड़पने का स्पष्ट उदाहरण मानते हैं। इस पूरे मामले पर दैनिक भास्कर ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी जितेंद्र गुप्ता से बात की। उन्होंने बताया कि यह मामला उनकी जानकारी में नहीं था। गुप्ता ने आश्वासन दिया कि विभाग इस पर जांच कराएगा और यह पता लगाया जाएगा कि भवन बनने के बाद उसका संचालन क्यों शुरू नहीं किया गया। ग्रामीणों के अनुसार, 17 लाख रुपये की सरकारी राशि बर्बाद हो गई है, जबकि बच्चों को आज भी किराए के जर्जर मकान में आंगनबाड़ी की सुविधा लेनी पड़ रही है। जोगियानी गांव का यह मामला दर्शाता है कि किस तरह अधिकारी बिना जिम्मेदारी के, केवल कागजों में योजनाओं को पूरा दिखाकर सरकारी धन का दुरुपयोग करते हैं।

नाबालिगों की चाकूबाजी का वीडियो, मामूली कहासुनी में किए कई वार; टीआई बोले- शिकायत मिलने पर कार्रवाई करेंगे

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। कोतवाली थाना क्षेत्र में गायत्री मंदिर के पास दो गुटों के नाबालिगों के बीच मामूली कहासुनी देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। इस दौरान दो नाबालिगों ने एक अन्य नाबालिग को जमीन पर गिराकर चाकू से कई वार किए। इस दौरान किसी ने घटना का वीडियो बना लिया। घटना के बाद घायल किशोर को स्थानीय लोग जिला अस्पताल ले गए, वहीं आरोपी नाबालिग मौके से फरार हो गया।

मामूली कहासुनी के बाद मारे चाकू: जानकारी के अनुसार, शुक्रवार दोपहर को गायत्री मंदिर के पास अचानक किसी बात पर दो नाबालिगों में कहासुनी हो गई। दोनों एक-दूसरे से मारपीट करने लगे, इसके बाद एक नाबालिग ने चाकू निकालकर दूसरे पर हमला कर दिया। घटना में नाबालिग घायल हो गया जिसे स्थानीय लोगों ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं आरोपी नाबालिग मौके से फरार हो गया।

वीडियो बनाने पर युवक पर भी हमले की कोशिश: घटना का वीडियो शनिवार को सामने आया है। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि एक नाबालिग जमीन पर गिरे दूसरे नाबालिग पर बार-बार चाकू से हमला कर रहा है, जबकि कुछ अन्य नाबालिग उसे पकड़कर रोकने की कोशिश कर रहे है। इस दौरान घटना का वीडियो बनाने की कोशिश कर रहे एक व्यक्ति की ओर भी नाबालिग चाकू लेकर लपकता नजर आया।

लोग बोले- चाकूबाजी की घटनाएं बढ़ रहीं: प्रत्यक्षदर्शी अरुणोदय मिश्रा ने बताया कि पिछले कुछ महीनों में सीधी में इस तरह की घटनाएं बढ़ गई है। यह पांचवीं घटना है, शहर में नाबालिग खुलेआम चाकू लेकर घूम रहे हैं और गैंग बनाकर झगड़े कर रहे हैं। यह स्थिति बेहद गंभीर होती जा रही है और इसके लिए तत्काल सख्त कदम उठाने की जरूरत है।

टीआई बोले- शिकायत पर कार्रवाई करेंगे: कोतवाली प्रभारी कन्हैया सिंह बघेल ने बताया कि वीडियो गायत्री मंदिर के पास का बताया जा रहा है।

गौरव दिवस कार्यक्रम की तैयारी प्रारंभ - जिला अधिकारियों को दो दिवस में नकारी देने के निर्देश

आदिवासी समाज के गौरवशाली व्यक्तित्वों का होगा सम्मान

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। सहायक संचालक आदिम जाति कल्याण विभाग ने जानकारी देकर बताया कि दिनांक 08 नवम्बर 2025 को आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस में जनजातीय कार्य मंत्री मध्यप्रदेश शासन कुंवर विजय शाह एवं आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री मन शुक्ल द्वारा जिलेवार तैयारियों की समीक्षा की गई। इस दौरान निर्देश दिए गए कि 1 नवम्बर से 15 नवम्बर तक शासन स्तर पर निर्धारित कैलेंडर के अनुसार पीएम जनमन, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान, आदिकर्मयोगी अभियान, प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना सहित विभिन्न जनजातीय कार्यक्रमों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जाए। वीसी में प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी द्वारा सभी जिला अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने विभागों द्वारा जनजातीय समुदाय के हितार्थ किए जा रहे कार्यों, योजनाओं एवं गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दो दिवस के भीतर प्रस्तुत करें, जिससे जिले में गौरव दिवस कार्यक्रमों की रूपरेखा निर्धारित की जा सके। साथ ही जिला स्तर पर ऐसे आदिवासी हितग्राहियों का चिन्हांकन करने के निर्देश दिए गए हैं, जिन्होंने बैंक से कर्ज लेकर स्वरोजगार प्रारंभ किया हो, जिनके परिवार में किसी सदस्य को शहीद का दर्जा प्राप्त हुआ हो, जो नीट परीक्षा में चयनित होकर एमबीबीएस में अध्ययनरत हों या किसी खेल विधा में राज्य अथवा राष्ट्रीय स्तर पर चयनित हुए हों। इन सभी पात्र हितग्राहियों को जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा आमजन से अपील की गई है कि यदि किसी के संज्ञान में ऐसे योग्य आदिवासी वर्ग के नागरिकों की जानकारी हो तो वे कलेक्टर कार्यालय अंतर्गत सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग, जिला सीधी को सूचित करें, ताकि उनके नाम गौरव दिवस कार्यक्रम में सम्मान हेतु चिन्हांकित किए जा सकें।

बीएलओ कर रहे घर-घर संपर्क, ईएफ फार्म का वितरण प्रारंभ

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 के अंतर्गत जिले में घर-घर मतदाता सत्यापन अभियान प्रारंभ कर दिया गया है। यह अभियान 4 दिसम्बर 2025 तक लगातार संचालित होगा। इस दौरान सभी बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) अपने-अपने मतदान केंद्र क्षेत्रों में घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन कर रहे हैं। बीएलओ के पास मतदाता सूची 2025 के अनुसार प्री-प्रिंटेड एन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध हैं, जिनमें मतदाताओं का नाम, पता एवं ईपिक नंबर दर्ज है। नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि वे इन विवरणों की जांच करें, आवश्यक संशोधन सुझाएँ और नए मतदाताओं की जानकारी प्रदान करें। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री स्वरोचिष सोमवंशी ने नागरिकों से अपील की है कि जब बीएलओ उनके घर आएँ, तो उन्हें पूरा सहयोग प्रदान करें। उन्होंने कहा कि यह अभियान मतदाता सूची की शुद्धता, पारदर्शिता और समावेशिता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि अभियान के प्रथम चरण में किसी भी प्रकार के दस्तावेज बीएलओ द्वारा एकत्र नहीं किए जा रहे हैं। दस्तावेज तभी आवश्यक होंगे जब किसी प्रविष्टि का सत्यापन पूर्ववर्ती रिकॉर्ड से मेल न खाए। ऐसी स्थिति में निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अलग से सूचना देकर दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहेगा।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष के पुनरीक्षण अभियान की एक विशेषता यह भी है कि मतदाता सूची का डेटा वर्ष 2003 के गहन पुनरीक्षण से लिंक किया जा रहा है, जिससे पुराने रिकॉर्ड और नवीन सूचनाओं का मिलान कर मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाया जा सकेगा। कलेक्टर श्री सोमवंशी ने आगे कहा कि पात्र नागरिक, विशेषकर वे युवक-युवतियाँ जो 1 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हैं, अपना नाम मतदाता सूची में अनिवार्य रूप से दर्ज कराएँ। साथ ही जिन परिवार सदस्यों का निधन हो गया है या जो अन्यत्र स्थानांतरित हो गए हैं, उनकी जानकारी भी बीएलओ को दी जा सकेगी ताकि सूची को सही रूप में अद्यतन किया जा सके। घर-घर सत्यापन के

सार्वजनिक स्थानों से आवारा कुत्तों को हटाने का निर्देश, या अब जागेंगे स्थानीय निकाय?

सुप्रीम कोर्ट ने सार्वजनिक स्थलों से आवारा कुत्तों और बेसहारा पशुओं को हटाने का आदेश दिया है, जो स्वागत योग्य है। हालांकि, स्थानीय निकायों के पास संसाधनों और इच्छाशक्ति की कमी एक बड़ी चुनौती है। पहले के आदेशों का पालन न होने के कारण कोर्ट ने मुख्य सचिवों को तलब किया था। आदेश में टीकाकरण और आश्रयस्थल बनाने के निर्देश भी हैं, लेकिन कई शहरों में इनकी कमी है। आशंका है कि आदेश का पालन दिखावटी हो सकता है। राज्य सरकारों को गंभीरता दिखाते हुए स्थानीय निकायों को सक्षम बनाना होगा।यह स्वागत योग्य तो है कि सुप्रीम कोर्ट ने स्कूलों, अस्पतालों, हाईवे, रेलवे स्टेशनों और अन्य सार्वजनिक स्थानों से आवारा कुत्तों को हटाने का निर्देश पारित कर दिया, लेकिन बात तब बनेगी, जब ऐसा वास्तव में हो सके। चूंकि शीर्ष कोर्ट ने आवारा कुत्तों के साथ बेसहारा पशुओं को भी सार्वजनिक स्थलों से हटाने का निर्देश दिया है, इसलिए यह सहज ही समझा जा सकता है कि स्थानीय निकायों की चुनौती बढ़ गई है।

अभी उनके पास इतने संसाधन ही नहीं हैं कि वे यह काम कर सकें। संसाधनों के अभाव के साथ ही उनके पास इच्छाशक्ति भी नहीं है। इसका प्रमाण यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने यह पाया था कि इसी संदर्भ में उसके पहले के आदेश पर

संपादकीय

अधिकतर राज्यों ने अपना जवाब ही दाखिल नहीं किया। इसी कारण उसे राज्यों के मुख्य सचिवों को तलब करना पड़ा। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों और बेसहारा पशुओं को हटाने के साथ ही उनका टीकाकरण, बंध्याकरण करने और उनके लिए विशेष बाड़े एवं आश्रयस्थल बनाने का भी आदेश दिया है।

यह सब होना ही चाहिए, लेकिन तथ्य यह है कि देश के कई प्रमुख शहरों में भी आवारा कुत्तों और बेसहारा पशुओं के लिए आश्रयस्थल नहीं हैं। स्पष्ट है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अमल होना एक टेढ़ी खीर है। यह ठीक है कि उसने आठ सप्ताह बाद अपने आदेश के अमल की स्थिति पर रिपोर्ट मांगी है, लेकिन आशंका यही है कि आवारा कुत्तों और बेसहारा पशुओं को हटाने के उसके आदेश का पालन करने के नाम पर दिखावटी कार्रवाई हो सकती है। यदि ऐसा होता है तो समस्या जस की तस रहने वाली है।

अच्छा हो कि सुप्रीम कोर्ट इस पर निगाह रखे कि उसके आदेश पर सही तरह अमल हो रहा है या नहीं? यह इसलिए आवश्यक है, क्योंकि उसके ऐसे कई आदेशों पर अब तक अमल नहीं हो सका है। इनमें से एक यातायात में बाधक धार्मिक स्थलों को हटाने का आदेश है। आवारा कुत्तों और बेसहारा पशुओं को सार्वजनिक स्थलों से हटाने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सही तरह अमल तब तक संभव नहीं, जब तक राज्य सरकारें गंभीरता का परिचय नहीं देतीं।

राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस: न्याय की दीपशिखा हर घर - हर दिल

दिलीप कुमार पाठक

राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस 9 अक्टूबर 2025)

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कहते थे - किसी भी समाज की असली पहचान इस बात से होती है कि वह अपने सबसे कमजोर सदस्यों के साथ कैसा व्यवहार करता है द्य

हर साल भारत में 9नवंबर को राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस मनाया जाता है। इस दिन देश के सभी नागरिकों को उचित, निष्पक्ष और न्याय प्रक्रिया को सुनिश्चित करने के लिए जागरूक किया जाता है। राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस की शुरुआत पहली बार 1995 में भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समाज के गरीब और कमजोर वर्गों को सहायता और समर्थन प्रदान करने के लिए की गई थी। इस दिन को विधिक सेवा के तहत प्राधिकरण अधिनियम और वादिकारियों के अधिकारों को विभिन्न प्रावधानों से अवगत कराने के लिए मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों के लोगों के लिए निःशुल्क, उच्च-स्तरीय कानूनी सेवाओं की पेशकश करना है। यह कमजोर वर्गों के लोगों को मुफ्त सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ उन्हें उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करने का प्रयास भी करता है। राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के इतिहास के बारे में जानने से पहले यह जानना आवश्यक है कि कानूनी सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 क्या है, क्योंकि राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस की शुरुआत के पीछे इस अधिनियम की महत्वपूर्ण भूमिका है।

भारत के संविधान के अनुच्छेद39-ए और उसकी समिति की सिफ़ारिशों के अनुसार, केंद्र सरकार ने कानूनी सेवा प्राधिकरण अधिनियम,1987 को अधिनियमित किया था। इस अधिनियम को 1994 के संशोधन अधिनियम के बाद 9नवंबर1995 को लागू किया गया, और तब से मुख्य अधिनियम में कई संशोधन किए गए हैं। इस अधिनियम के माध्यम से पिछड़े वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग और दिव्यांग व्यक्तियों को मुफ्त कानूनी सहायता प्राप्त करने का अधिकार दिया गया है। अधिनियम के कारण किसी भी प्रकार से किसी दिव्यांग या आर्थिक रूप से कमज़ोर व्यक्ति को न्याय से वंचित नहीं रखा जा सकता। न्याय प्राप्त करने का अधिकार एक अमीर व्यक्ति या सामान्य वर्ग के व्यक्ति को जितना है, उतना ही अधिकार एक आम व्यक्ति को भी है। न्याय प्राप्त करने में किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं है; सभी को समान अवसर प्रदान करना इस अधिनियम में निहित है। राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस पर, देश भर के राज्य विधिक सेवा प्राधिकरणों द्वारा लोगों को निःशुल्क कानूनी सहायता की उपलब्धता के बारे में जागरूक करने के लिए कानूनी जागरूकता शिविर आयोजित किए जाते हैं। इसके अलावा, विधिक सेवा प्राधिकरणों द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए हर साल राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

वर्ष2021 में 2अक्टूबर से 14नवंबर तक छह-सप्ताह का अखिल भारतीय कानूनी जागरूकता एवं आउटरीच अभियान चलाया गया। इस अभियान में घर-घर जाकर प्रचार, कानूनी जागरूकता कार्यक्रम, मोबाइल वैन के माध्यम से जागरूकता और कानूनी सहायता क्लीनिक शामिल थे। इसके अतिरिक्त, 8नवंबर से 14नवंबर2021 तक ÷कानूनी सेवा सप्ताह÷ मनाया गया, जिसमें 38करोड़ से अधिक लोगों का सर्वेक्षण किया गया, उनसे बातचीत की गई और उन्हें उनके अधिकारों के बारे में जागरूक किया गया। कानूनी सेवा दिवस (9नवंबर2021) को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (द्बस्) ने राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें कानूनी सेवा मोबाइल एप्लिकेशन का द्बह्र संस्करण लॉन्च किया गया और कानूनी सहायता आवेदन दाखिल करने के लिए ऑनलाइन पोर्टल को 10भाषाओं में सुगम बनाया गया । राज्य स्तर पर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षता राज्य के उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा की जाती है, जो इसके मुख्य संरक्षक भी होते हैं। उच्च न्यायालय के एक सेवारत या सेवानिवृत्त न्यायाधीश को कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में नामांकित किया जाता है। जिला स्तर पर राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण का कार्यकारी अध्यक्ष जिला न्यायाधीश होता है। तालुका स्तर पर तालुका विधिक सेवा प्राधिकरण का नेतृत्व वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश करते हैं। साथ ही उच्च न्यायालय विधिक सेवा प्राधिकरण और सर्वोच्च न्यायालय विधिक सेवा प्राधिकरण भी होते हैं।

उत्तराखंड राज्य के गठन को पच्चीस साल पूरे हो रहे हैं। इस अवसर को उत्तराखंड सरकार ऐतिहासिक और यादगार बनाने की तैयारी में जुटी है। पूरे प्रदेश में बड़े स्तर पर कार्यक्रमों की योजना बन चुकी है और उनका रोडमैप तैयार कर लिया गया है। इस बार राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उत्तराखंड आ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नौ नवंबर को राज्य स्थापना समारोह में शामिल होंगे।राज्य स्थापना दिवस पर नौ नवंबर को पूरे प्रदेश में भव्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। देहरादून के वन अनुसंधान संस्थान परिसर में इस उपलक्ष्य में भव्य समारोह की तैयारी चल रही है। शासन और प्रशासन दोनों स्तर पर तैयारियां तेज हो गई हैं। हालांकि प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक आदेश जारी नहीं हुआ है लेकिन सुरक्षा और प्रोटोकॉल की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

उत्तराखंड गठन की रजत जयंती पर उपलधि के नाम पर हाथ खाली!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में एक से नौ नवंबर तक प्रदेशभर में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस मौके पर राज्य की परंपराओं, लोक संस्कृति और विकास यात्रा को प्रदर्शित किया जाएगा। उत्तराखंड सरकार इस अवसर पर दो दिवसीय विधानसभा का विशेष सत्र भी बुला रही है। तीन नवंबर को सत्र के पहले दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राज्य के विकास की उपलब्धियों पर विधानसभा में अपना संबोधन देंगी। यह आयोजन उत्तराखंड के इतिहास में एक खास अध्याय बनने जा रहा है।जिसमे प्रधानमंत्री का आगमन ओर भी महत्वपूर्ण हो गया है।

उत्तराखंड राज्य बनने के बाद, की उपलब्धियो में औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन, और पर्यटन के विस्तार जैसी आर्थिक प्रगति हुई है, जबकि विफलताओं में पर्वतीय क्षेत्रों में बागवानी और स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति में गिरावट, और पर्यावरण संबंधी चुनौतियाँ शामिल हैं। राज्य में कई एमएसएमई उद्योगों की स्थापना नारायण दत्त तिवारी सरकार के समय हुई है, जिससे लाखों लोगों को रोजगार मिला है। दूसरी ओर, स्वास्थ्य सेवाएँ, जैसे विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी, और कृषि व बागवानी क्षेत्र की स्थिति संतोषजनक नहीं है। इसके अलावा, पर्यावरण संबंधी चिंताएं और कभी-कभी साइबर हमले जैसी चुनौतियाँ भी रही हैं। उत्तराखंड अपनी स्थापना के 25 वर्षों में कई क्षेत्रों में अग्रसर रहा है, फिर भी कई चुनौतियों का समाधान अभी भी बाकी है। राज्य सरकार ने अपनी योजनाओं में जनसहभागिता को शामिल करते हुए एक समावेशी विकास मॉडल अपनाने की कोशिश की है। आगामी वर्षों में, यदि उत्तराखंड पहाड़ी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने, पर्यावरण संरक्षण और दीर्घकालिक रोजगार के अवसर बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करता है, तो यह राज्य विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ेगा और ÷उत्तराखंड का दशक÷ कहलाएगा।उत्तराखंड राज्य को बने 25 वर्ष हो गए है ,लेकिन आज तक उत्तराखंड आत्मनिर्भरता नही हो सका है।विकास पुरूष नारायण दत्त तिवारी ने अपने शासनकाल में राज्य के अंदर जो औद्योगिक नगर बसाए थे उनमें से करीब बड़ी संख्या में औद्योगिक इकाइयां बंद हो चुकी है या फिर पलायन कर चुकी है।गत वर्षो में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विदेशों में निवेश के एमओयू साइन करवा रहे थे।लेकिन विदेशों व मुंबई जैसे महानगरों के निवेशक कब उत्तराखंड आएंगे इसका जवाब किसी के पास नही है। किसानों के बकाया गन्ना मूल्य भुगतान अधर में है। नया गन्ना सत्र शुरू हो जाने पर भी गन्ना मूल्य घोषित न होने से किसान असमंजस में है।राज्य के कर्मचारी पुरानी पेंशन बहाली को लेकर लगातार आंदोलन कर रहे है,लेकिन कोई सुनवाई नही हो पा रही है,ऐसे में राज्य स्थापना दिवस पर उनके मुरझाये चेहरे पर रौनक कैसे आ सकती हैआज 25 साल बीतने पर भी उत्तराखंड में न तो स्थाई राजधानी बन पाई और न ही उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों के चिन्हीकरण का काम पूरा हो पाया।उत्तराखंड के मूलभूत सरोकार आज भी ज्यो के त्यों हमारे सामने प्रश्न बने खड़े है।

गैरसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी तो घोषित कर दिया था, लेकिन स्थायी राजधानी के मुद्दे को आज तक भी हल नही किया गया है। हालांकि कांग्रेस एलान कर चुकी है कि गैरसैंण को वह स्थायी राजधानी घोषित करेगी। लेकिन कब,इस पर वह भी मौन है,जवाब में सत्ता पक्ष भाजपा ने गैरसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित करके अपना पल्ला झाड़ लिया।लेकिन स्थायी राजधानी किसी ने नही बनाई।यह राजधानी कब बनाएगी जाएगी ,इसका कोई जवाब सत्ता पक्ष किसी के पास नही है।ग्रीष्म कालीन सत्र भी जरूरी नही सरकार गैरसैंण बुलाये,कई बार ये सत्र भी देहरादून में ही बुला लिए जाते है।जबकि गैरसैंण में राजधानी के नाम पर दो सौ करोड़ से अधिक विधानसभा भवन व अन्य भवनों के नाम पर खर्च हो चुका है।

प्रदेश की जनता प्रदेश के राजनीतिक , सामाजिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय परिदृश्य को भी पूरी तरह से पलटने की क्षमता रखती हैं। महान शख्सियत चन्द्रसिंह गढ़वाली का सपना था कि 'पहाड़ की राजधानी, पहाड़ में ही हो।' वीर चंद्र सिंह गढ़वाली ही उन लोगों में थे जिन्होंने सबसे पहले गैरसैंण में प्रदेश की राजधानी की मांग की थी। गैरसैंण चमोली ज़िले का एक ऐसा पहाड़ी शहर है जो गढ़वाल और कुमाऊं की सीमा पर बसा है। सन 1990 के आस पास जब पृथक राज्य की मांग उग्र रूप ले रही थी, तब से ही इस प्रस्तावित राज्य उत्तराखंड की राजधानी के रूप में गैरसैंण को देखा जा रहा था। तभी तो 25 जुलाई सन 1992 के दिन तो 'उत्तराखंड क्रांति दल' ने गैरसैंण को अपने दल की ओर से पहाड़ की राजधानी घोषित किया और वीर चंद्र सिंह गढ़वाली के नाम पर इस शहर का नाम 'चंद्र नगर' रखते हुए राजधानी क्षेत्र का शिलान्यास भी किया था।इसके बाद कई आंदोलन हुए और अलग राज्य की स्थापना 9 नवंबर सन 2000 में हो गई। लेकिन देहरादून को अस्थायी राजधानी का नाम देने से स्थायी राजधानी का मुद्दा सुलझने की जगह और भी ज़्यादा उलझता चला गया।यानि अब यह साफ हो गया है कि बिना संसाधनों वाले और आर्थिक रूप से कमजोर उत्तराखंड में अब एक नहीं दो-दो राजधानी का बोझ झेलना पड़ रहा है। तत्कालीन त्रिवेंद्र सरकार ने गैरसैंण को सिर्फ ग्रीष्म कालीन स्वीकार किया। जो उत्तराखंड के लिए एक घाव की तरह बनकर रह गया है। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता हरीश रावत व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन महारा का कहना है कि कांग्रेस सत्ता में आने पर गैरसैंण को पूर्ण राजधानी बनाएगी। ग्रीष्म कालीन राजधानी पर तत्कालीन मुख्यमंत्री व हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र रावत ने कहा था कि यह फैंसला भविष्य के द्वार खोलेगा। उन्होंने कहा था कि यह फैसला इसलिए लिया गया, ताकि उत्तराखंड निर्माण का लाभ दूरस्थ इलाकों को भी मिल सके।तब त्रिवेंद्र बोले थे , गैरसैंण ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित करने के बाद सरकार यहां राजधानी के लिए बुनियादी सुविधाएं जुटाने का काम करेगी। विशेषज्ञों और टाउन प्लानरों के साथ बैठकर यहां के विकास का खाका तैयार होगा। उनका मानना था कि अभी गैरसैंण-भराड़ीसैण क्षेत्र राजधानी का दबाव सहने की स्थिति में नहीं है। इसलिए सरकार का फोकस यहां अवस्थापना सुविधाओं के विकास पर रहेगा। यहां राजधानी की सुविधाएं चरणबद्ध तरीके से जोड़ी जाएंगी, लेकिन हुआ कुछ भी तो नही, सिवाय इसके कि सरकार के निर्णय से प्रदेश में अब दो राजधानियां हो गई है, साथ ही स्थायी राजधानी का मुद्दा पहेली बन गया है।एक बार बजट सत्र के दौरान जिस प्रकार गैरसैण विधानसभा बर्फ से ढक गई थी ,उसे देखकर यही लगता है कि सरकार मौसम की बेरुखी के कारण स्थाई राजधानी के निर्णय तक नही पहुंच सकेगी। राज्य की जनता भी सरकार के ग्रीष्मकालीन शगूफे को पचा नही पा रही है।राज्य के 70 प्रतिशत लोग स्थाई राजधानी के पक्ष में है।तत्कालीन भाजपा की त्रिवेंद्र सरकार ने यह फैसला लेकर एक विवाद को तो जन्म दे दिया,लेकिन उसका हल उनके बाद के मुख्यमंत्री भी नही खोज पाए।दरअसल उत्तराखंड में राजधानी का मुद्दा जनभावनाओं से जुड़ा है। राज्य गठन के बाद से ही प्रदेश में गैरसैण में राजधानी बनाए जाने को लेकर आवाज उठती रही हैं। राज्य आंदोलन के समय से ही गैरसैंण को जनाकांक्षाओं की राजधानी का प्रतीक माना गया है। यही वजह है कि कांग्रेस और भाजपा की सरकारें गैरसैंण को कभी खारिज नहीं कर पाई।

हरीश रावत सरकार ने जब गैरसैंण में विधानमंडल भवन बनाया, तब उन पर भी राजधानी घोषित करने का दबाव बना था। राजनीतिक आंदोलन से जुड़ा एक वर्ग गैरसैंण को स्थायी राजधानी बनाए जाने की वकालत करता रहा है।

राज्य गठन से पहले उत्तर प्रदेश की मुलायम सरकार की गठित कौशिक समिति ने अपनी रिपोर्ट में 70 प्रतिशत लोगो की पसंद गैरसैण को कहा था। वही उक्रांद ने 28 साल पहले गैरसैंण में राजधानी का शिलान्यास किया था। राज्य आंदोलन में मुख्य भूमिका निभाने वाले पूर्व मंत्री दिवाकर भट्ट ने कहा कि राज्य गठन के बाद भी जनभावनाओं की अनदेखी हुई है। दिवाकर भट्ट ने कहा कि राज्य गठन आंदोलन के दौरान ही आंदोलनकारियों ने यह तय कर लिया था कि अलग राज्य बनेगा और उसकी राजधानी गैरसैंण होगी। राज्य के लिए कई आंदोलनकारियों ने अपनी शहादत दी। नवंबर 2000 में अलग राज्य बना, लेकिन 25 साल बाद भी गैरसैंण स्थायी राजधानी नहीं बन सकी।

पुष्कर सिंह धामी सरकार स्पष्ट करे कि किस कारण से वह दो राजधानी बनाना चाहती है। वर्ष 2012 में कांग्रेस सरकार द्वारा पहली बार गैरसैंण में कैबिनेट बैठक आयोजित की गई थी। तब उम्मीद जगी थी कि क्षेत्र में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, संचार, सुरक्षा, बैंक जैसी मूलभूत सुविधाएं बेहतर होंगी, लेकिन 11 वर्ष बीत जाने के बाद भी गैरसैंण-भराड़ीसैंण में विधान सभा भवन निर्माण के अलावा अवस्थापना विकास के नाम पर कोई भी कार्य नहीं हुआ है।

गैरसैंण और भराड़ीसैंण की प्यास बुझाने के लिए पिंडर नदी से पानी लिफ्ट करने की योजना धरातल पर नहीं उतर पाई । यहां के जलस्रोतों का भी बेहतर संरक्षण नहीं किया जा सका है। दिवालीखाल से भराड़ीसैंण की राह आसान बनाने के लिए सड़क का चौड़ीकरण समय की आवश्यकता है।

स्वास्थ्य सुविधा के नाम पर यहां एकमात्र सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र है, जो बिना विशेषज्ञ डॉक्टरों के संचालित हो रहा है। यह यक्ष प्रश्न आज भी मौजूद है कि। जब कोई पहाड़ में रहना ही नही चाहता,तो कैसे पहाड़ का भला होगा।आज भी नेता ,अधिकारी और कर्मचारी देहरादून छोड़ना ही नही चाहते।तभी तो स्थाई के बजाए ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित कर अपनी सुख सुविधाओं को सरकार के स्तर से तरजीह दी गई। उत्तराखंड आत्मनिर्भर बने इसके लिए नए सिरे से विकास नीति यहां की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार तय होनी चाहिए ,साथ ही उत्तराखंड को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी सार्थक पहल हो।उत्तराखंड मूल के स्वतंत्रता सेनानी परिवारो,राज्य आंदोलन कारियो व पूर्व सैनिकों की मूलभूत समस्याओं का निराकरण हो तथा स्वतंत्रता सेनानियों व पूर्व सैनिकों को राष्ट्रीय परिवार तथा राज्य आंदोलन कारियो को राज्य परिवार घोषित करने से उत्तराखंड राज्य के शहीदों के सपनो का उत्तराखंड बनाया जा सकता है।

जैन साधुओं द्वारा पिच्छिका परिवर्तन

दिगंबर जैन मुनि आर्थिकाएं अहिंसा, सत्य, आचोर्य, ब्रह्माचर्य एवं अपिरग्रह आिद अनेक महव्रतों के पासक होते हैं वे अपने साथ कमंडल, पिच्छि एवं धार्मिक ग्रंथों, पुराणों को ही रखने के अधिकारी होते हैं। संसार की अन्य समस्त वस्तुओं, घर, परिवार का उन्हें पूर्ण रूपेण त्याग होता है। पिच्छि एवं कमंडल दिगंबर मुनि के स्वालंबन के दो हाथ होते है। पैरो की सफाई, शुध्दि हेतु कमंडल की आवश्यकता होती है। पिच्छि दिगंबर साधु का अत्याधिक महत्वपूर्ण उपकरण होता है। वर्ष भर प्रति समय उपयोग होने से पिच्छि कमजोर हो जाती है अत- प्रत्येक वर्ष चातुर्मास के उपरांत सभी दिगंबर जैन साधुओं को विशेष सात्विक व्यक्तियों द्वारा नई पिच्छि प्रदान की जाती है।

सिंघई सुभाष जैन

पिच्छि का महत्व- पिच्छि के द्वारा ही नग्न साधु एवं आर्थिका को त्यागी साधु के रूप में देखा जाता है। चरित्र पालन कायोत्सर्ग, (जाप) आने-जाने में, बैठने-उठने में, साधु हेतु पिच्छि अत्यधिक उपयोगि होती हैं। अहिंसा महाब्रती जब भी किही स्थान में बैठते है, तब वे उस स्थान को इसी पिच्छि से बुहारकर दृश्य-अदृश्य सूक्ष्मतम जीवाणुओं की रक्षा करते हुए उन्हें अलग कर देते हैं। दिगंबर जैन सम्प्रदाय में मुनि, ऐलक, झुल्लक, आर्थिका माताएं पिच्छि का उपयोग करते हैं। यह परंपरा प्राचीन काल से श्रमव परंपरा के अनुसार चली आ रही है।

पिच्छि का निर्माण- दिगंबर जैन साधु हेतु पिच्छि का निमार्ण मयूर के सुंदर पंखा से होता है। अन्य पसी के पंखों का उपयोग इस हेतु नहीिं कया जा सकता। अन्य पंख नरम नहीं होते। मयूर पंख के द्वारा ही मुनि हिंसा , परिग्रह आदि से बच सकते है। जिस तरह शिशिर रितु में वसों के जीर्ण पत्ते स्वयं गिर जाते हैं, उसी तरह वष में एक बार मयूर अपने पुराने पंखों को कार्तिक माह में स्वयं स्वेच्छा से त्याग कर देता है, अत- वे उसके शरीर से अपने आप जमीन से गिर जाते हैं, जिन्हें एकत्रित कर ही

पिच्छि का निर्माण किया जाता है। पंख प्राप्ति हेतु न ही मोर की हिंसा की जाती है न ही उन्हें किसी तरह का कष्ट पहुंचाया जाता है। अतः दिगंबर साधु के उपयोग में आने वाली पिच्छि पूर्णतः अहिंसक उपकरण हैं।

पिच्छि के गुण- मयूर के पंखों से बनाई गई पिच्छि अत्याधिक मृदु होती है। इसके पंख का भाग आंख में भी लग जाए तो भी आंख को किसी तरह का कष्ट नहीं होता। ऐसी पिच्छि से जैन दिगंबर साधु उस स्थान को साफ करते हैं जहां वे बैठते हैं- चलते हैं। तात्पर्य यह होता है कि न दिखने वाले सूक्ष्म जीवाणुओं को बिना कष्ट पहुंचाय वहां से अलग कर दिया जाय। इस तरह जीव हिंसा से साधु स्वयं को बचा लेते हैं। पिच्छि धूल को अहटा नहीं करती है। यह अत्याधिक सुकुमार होती है। पिच्छि का वजन बहुत हल्का होता है जिसे साधु आसानी से उपयोग कर सकते है।

पिच्छि का उपयोग कब- दिगंबर जैन साधु कमंडल के साथ पिच्छि को सदैव अपने साथ रखते हैं। वे दुनिया की अन्य किसी भी वस्तु से संबंध नहीं रखते सिर्फ धार्मिक ग्रंथों, पुराणों के अतिरिक्त। दिगंबर जैन साधु पिच्छि का उपयोग वंदना, सामायिक, प्रायश्चित, रग्णदशा, आहार समय, आने-जाने में, गमन में किया जाता है। बैठने, चलने, शास्त्रों को स्पर्श करने के पूर्व उनके पृष्ठों को पलटने में पिच्छि से स्वान को साफ किया जता है, जिससे सूक्ष्म जीवाणु को अलग किया जा सके। अपने प्रिय भक्तों को आशीर्वाद भी पिच्छि द्वारा कभी-कभी मिल जाता है, जिसे भक्तगण अपना परम सोंभाग्य मानते है। हमने कई बार हमारे शरीर में सूक्ष्म जीवाणु के चलने का अनुभव किया होगातथा बेचेन होकर हम जैसे ही अपने हाथ की उंगलियों से उसे हटाने का प्रयास करते हैं तो कई बार हम पाते हैं कि वह जीवाणु वहीं मसल गया और मर गया। जैन साधु के शरीर में सूक्ष्म जीवाणु जब बैठते हैं, तब वे अपने शरीर को पिच्छि से ही हल्के हाथ से साफ कर लेते हैं, फलस्वरूप सूक्ष्म जीवाणु मयूर पंख के स्पर्स से आसानी से अपना स्थान छोड़ देता है जिससे उसके जीवन को किसी तरह की हानि नहीं होती।

पिच्छि उपयोग संबंधी विशेष बातें- पिच्छि के माध्यम से जैन साधु अपने अहिंसा व्रत का निर्वाह अच्छी तरह से कर लेते हैं। इसलिये सदैव साथ रखना अति आवश्यक है। यदि पिच्छि के बिना साधु सात कदम भी चल लेते हैं, तो उन्हें प्रायश्चित स्वरूप अतिरिक्त जाप देना पड़ती है। यिद जैन साधु को दो कोस बिना पिच्छि के चलना पड़े तो उन्हें विशेष शुध्दि एवं उपवास (भोजन-जल कुछ भी नहीं) दोनों प्रायश्चित स्वरूप करना पड़ता है। आहार के समय पिच्छि को थोड़ा दूर रखा जाता है। क्योंकि आहार समय पिच्छि स्पर्श से अंतराय आ जाता है, तात्पर्य फिर वे भोजन-पानी ग्रहण नहीं करते।

साधु को पिच्छि कौन दे सकता- साधु को एक विशेष समारोह में जो वष में चातुर्मास की समाप्ति पर आयोजित होता है- विशेष जीवन चर्या से रहने वाले, संयमित, सात्विक ब्रती जो सरल एवं धार्मिक, श्रेष्ठ श्रावक गृहस्थ होता है वहीं साधु को नई पिच्छि प्रदान कर सकते है, तथा साधु के साधु को नई पिच्छि प्रदान कर सकते है, तथा साधु के उपयोग की गई पुरानी पिच्छि भी वैराग्य ब्रह्मचर्य तथा अत्याधिक सरल धार्मिक विचारधारा वाले व्यक्ति को ही प्रदान की जाती है, जिसे पाक व्यक्ति अपने को धन्य मानते हैं। पिच्छि लेने एवं देने वाले श्रेष्ठ व्यक्तित्व का चुनाव साधु स्वयं करते है।

कुटीर उद्योगों की स्थापना एवं स्थानीय उत्पादों के प्रोत्साहन से रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकेंगे: राजेन्द्र शुक्ल

एक जिला.एक उत्पाद और निर्यात प्रोत्साहन कार्यशाला में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि कुटीर उद्योगों की अधिक से अधिक स्थापना एवं स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित कर रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकेंगे। स्थानीय उद्यमियों को उनके द्वारा बनाए जाने वाले उत्पादों की बाजार उपलब्धता से उनकी आर्थिक समृद्धि भी बढ़ेगी। उप मुख्यमंत्री एक जिला.एक उत्पाद और निर्यात प्रोत्साहन कार्यशाला में शामिल हुए।

जिला प्रशासन एवं एमपीआईडीसी के संयुक्त तत्वावधान में ईको पार्क में आयोजित कार्यशाला में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की आर्थिक समृद्धि शिक्षा स्वास्थ्य और स्वरोजगार पर निर्भर रहती है। हमारा देश तेजी से आत्मनिर्भर बनकर आर्थिक तौर पर समृद्ध हुआ है। स्वसहायता समूहों एवं स्थानीय कारीगरों को प्रशिक्षण देकर बनाए जा रहे उत्पादों को उच्च गुणवत्ता का बनाने में मदद करने की जिम्मेदारी एमपीआईडीसी की है ताकि प्रशिक्षित होकर कारीगर गुणवत्तापूर्ण उत्पाद निर्मित कर सकें और उनका बाजार में अच्छा मूल्य मिले। उप मुख्यमंत्री ने एमपीआईडीसी के अधिकारियों की इस बात के लिए सराहना की कि उन्होंने बैम्बो लेडी ऑफ इंडिया के नाम से प्रसिद्ध नीरामोई शर्मा को असम से रीवा बुलाकर कार्यशाला में उनके आत्मविश्वासपूर्ण उद्गार व प्रशिक्षण के संबंध में जानकारी उद्यमियों को साझा कराई जिसका लाभ लेकर स्थानीय बांस बनाने वाले कारीगर व अन्य उद्यमी लाभ ले सकेंगे। श्री शुक्ल ने कहा कि रीवा में व्यंकट भवन के पास शीघ्र ही हाट बाजार का निर्माण कराया जाएगाए जहाँ स्थानीय उत्पादक अपने उत्पादों को बिक्री के लिए प्रदर्शित कर सकेंगे। उन्होंने अपेक्षा की कि एक जिला.एक उत्पाद के साथ ही स्थानीय उद्यमों के कुटीर उद्योग के जाल बिछें और हजारों हजार की संख्या में स्थानीय लोग इससे जुड़कर लाभान्वित हो सकें।

इस अवसर पर असम निवासी बैम्बो ऑफलेडी के नाम से प्रसिद्ध नीरामोई शर्मा ने बांस से बनाए गए गहनों सहित अन्य उत्पादों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि छोटी.छोटी बांस की निर्मित वस्तुओं में कम बांस के उपयोग से अधिक आय प्राप्त हो सकती है। उन्होंने स्थानीय लोगों से अपेक्षा की कि बांस लगाकर इससे लाभ प्राप्त करें और प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करें। उन्होंने कहा कि बांस कम समय उत्पादित हो जाता है और उससे आक्सीजन भी पर्याप्त मात्रा में मिलती है। उन्होंने आश्वस्त किया कि वह रीवा में बांस से निर्मित वस्तुओं के लिए प्रशिक्षण देंगी। कार्यशाला में वन मण्डलाधिकारी लोकेश नागपुरे ने बताया कि आने वाले वर्ष में जिले में बांस की प्रचुर मात्रा में कटाई की जाएगी जिससे यहाँ पर्याप्त संख्या में इसकी उपलब्धता रहेगी। उन्होंने बताया कि गत वर्षों में 175 किसानों ने दो लाख 64 हजार बांस अपने खेतों व अन्य जमीनों में लगाए हैं जिसके लिए उन्हें शासन द्वारा सब्सिडी भी दी गई है।

एमपीआईडीसी के कार्यकारी संचालक यूके तिवारी ने बताया कि लोकल टू ग्लोबल के उद्देश्य से स्थानीय उत्पाद एवं एक जिला एक उत्पाद को देश और विदेश में पहचान दिलाने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया है। स्थानीय कारीगरों को उत्पाद के लिए प्रशिक्षित करने और उनको बाजार उपलब्ध कराकर समृद्धशाली बनाने में कार्यशाला उपयोगी सिद्ध होगी।

युवक को दिनदहाड़े अगवा करने की कोशिश, मारपीट कर बोलेरो में बैठाने लगे; 3 आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। बिछिया थाना क्षेत्र में चिरहुला मंदिर के पास शुक्रवार शाम युवक के अपहरण की कोशिश हुई। बाइक रोककर आरोपियों ने युवक से मारपीट की और बोलेरो में बैठाने की कोशिश की। पूरी घटना पास के सीसीटीवी में रिकॉर्ड हो गई, जिसका वीडियो शनिवार सुबह सामने आया। पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के मुताबिक, महसांव निवासी नितिन चौरसिया रीवा से काम कर घर लौट रहा था। चिरहुला मंदिर के सामने गीता सुपर बाजार के पास उसकी बाइक के आगे बोलेरो (एमपी17-जेई-0718) लगाकर तीन युवकों ने रोक लिया। इसके बाद आरोपियों ने नितिन से मारपीट की और जोर-जबरदस्ती कर बोलेरो में बैठा लिया।

एक को मौके पर पकड़ा, दो बाद में गिरफ्तार: मौके पर मौजूद दुकानदार और परिचितों के हल्ला मचाने पर भीड़ इकट्ठी हो गई। घबराकर दो आरोपी बोलेरो लेकर भाग गए, जबकि एक को लोगों ने पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। इसके बाद पीड़ित के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। आरोपी अंकित वर्मा को मौके पर पकड़ लिया गया। जबकि, शुभम उर्फ मोटा और राबड़ी कृष्णा रावत को बाद में गिरफ्तार किया गया। तीनों के खिलाफ अपहरण की कोशिश और मारपीट की धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

पेट्रोल पंप पर व्यक्ति पर जानलेवा हमला, बीच-बचाव के दौरान डंडों से पीटा; गंभीर हालत में इमरजेंसी वार्ड में भर्ती

मीडिया ऑडिटर,रीवा (निप्र)। पेट्रोल डलवाने पंप पर गए एक व्यक्ति पर जानलेवा हमला हो गया। घटना में व्यक्ति सिर, हाथ और पैर पर गंभीर चोटें आई है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उधर पीड़ित ने पुलिस पर कार्यवाही न करने का आरोप लगाया है। जिस युवक पर हमला हुआ, उसका नाम रजनीश अग्निहोत्री (52) है। उनका अस्पताल के इमरजेंसी वॉर्ड में इलाज चल रहा है। घटना शुक्रवार रात की है।

बीच-बचाव करने के दौरान घायल हुए: घायल रजनीश अग्निहोत्री ने बताया कि मैं पेट्रोल डलवाने के लिए पंप पर गया हुआ था। उसी समय मृगेंद्र सिंह नामक व्यक्ति की बेटू नाम के ड्राइवर से बहस हो रही थी। इस बीच मैंने बीच बचाव किया और झगड़ा न करने की समझाइश दी। बस इसी बात से खफा होकर मृगेंद्र सिंह ने मुझ पर लाठी डंडों से हमला कर दिया। मेरे, सिर,हाथ और पैर पर मार मारकर घायल कर दिया। जिसमें मैं बुरी तरह से घायल हो गया। शरीर से काफी खून भी बह गया है। रजनीश ने आरोप लगाया कि पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज नहीं की है, जबकि मेडिकल में साफ साफ लिखा है कि सिर पर गंभीर चोंट आई है।

लौह पुरुष सरदार पटेल के आदर्शों से ही भारत बनेगा विकसित एवं आत्मनिर्भर: सांसद

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। स्वतंत्र भारत के शिल्पकार एवं लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में यूनिटी मार्च जिला स्तरीय पदयात्रा कार्यक्रम का आयोजन मेरा युवा भारत द्वारा केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में किया गया। यह पदयात्रा ग्राम तिघरा से शासकीय महाविद्यालय सेमरिया तक आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद जनार्दन मिश्रा रहे, जिन्होंने दीप प्रज्ज्वलन एवं सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

सांसद मिश्र ने कहा कि हम उस महान पुरुष की 150वीं जयंती मना रहे हैं, जिन्होंने 562 रियासतों को बिना किसी युद्ध या रक्तपात के एकसूत्र में पिरोकर एक अखंड भारत का निर्माण किया। हैदराबाद और जूनागढ़ जैसी रियासतों को उन्होंने अपने अद्भुत नेतृत्व से एक भारत में समाहित किया। उनका जीवन समर्पण, साहस और एकता का प्रतीक था। जब देश विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है, तब हमें याद रखना चाहिए कि इसकी नींव रखने वाले सरदार वल्लभभाई पटेल ही थे। विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' भी लौह पुरुष को समर्पित है। सांसद ने कहा कि यह यूनिटी मार्च केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। यह उन युवाओं का संकल्प है जो भारत को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस अवसर पर जिला युवा अधिकारी कुलदीप सिंह ने बताया कि लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर यह कार्यक्रम युवाओं में राष्ट्रीय गौरव, जिम्मेदारी और एकता की भावना को सशक्त करने के लिए आयोजित किया गया है।

हनुमना आरटीओ चेकपोस्ट बना लूट का अड्डा!

चौबे जी के इशारे पर रोज़ लाखों की उगाही, पैसे नहीं देने पर ड्राइवरों से मारपीट

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। जिले के हनुमना क्षेत्र में परिवहन विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। आरटीओ विभाग के अंतर्गत आने वाला हनुमना चेकपोस्ट अब कानून व्यवस्था की जगह अवैध वसूली केंद्र बन चुका है। बताया जा रहा है कि यह पूरा खेल विभाग के एक अधिकारी चौबे जी के इशारे पर चल रहा है, जिनके आदेश के बिना यहां पत्ता तक नहीं हिलता। स्थानीय वाहन चालकों और व्यापारियों का कहना है कि चौबे जी ने इस चेकपोस्ट को कमाई का अड्डा बना दिया है। हर गुजरने वाले ट्रक और मालवाहक वाहन से तयशुदा रकम वसूली जाती है। जो पैसा नहीं देता, उसे डराया-धमकाया जाता है, और कभी-कभी मारपीट तक की नौबत आ जाती है, एक ट्रक चालक ने बताया।

कैश में वसूली, रसीद गायब विभाग बना मौन दर्शक: वाहन चालकों के अनुसार, यहां कोई भी वसूली आधिकारिक नहीं है। सब कुछ कैश में होता है और कोई रसीद नहीं दी जाती। 200 से लेकर 5000 रुपये तक की दर तय है, और यह सब चौबे जी की निगरानी में होता है, एक स्थानीय व्यापारी ने बताया। जो चालक विरोध करता है, उसका चालान काट दिया जाता है या गाड़ी रोक ली जाती है। सूत्रों के मुताबिक, चौबे जी इस अवैध वसूली के मुख्य संयोजक हैं, जो अपने नीचे काम करने वाले कर्मचारियों और दलालों के जरिए यह सारा नेटवर्क चलाते हैं। कई बार शिकायतें ऊपर तक पहुँचीं, मगर हर बार ऊपर से आदेश आया है कहकर मामला दबा दिया गया।

कानून के नाम पर लूट, प्रशासन खामोश: स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि यह चेकपोस्ट सिर्फ नाम के लिए विभागीय है, असल में यह भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुका है। चौबे जी के मातहत कर्मचारी खुलेआम वसूली करते हैं और डर का माहौल बना रखा है। सामाजिक संगठनों ने भी इस पर नाराजगी जताते हुए कहा कि अगर विभागीय अफसर ही लूट में शामिल हैं, तो आम आदमी न्याय की उम्मीद किससे करे?

जनता का सवाल, चौबे जी पर कब होगी कार्रवाई: हर दिन सैकड़ों ट्रक और मालवाहक वाहन इस चेकपोस्ट से गुजरते हैं। गरीब ड्राइवरों की कमाई का बड़ा हिस्सा चौबे जी के इस वसूली तंत्र में चला जाता है। लोगों का कहना है कि शासन और प्रशासन को तत्काल जांच कर चौबे जी सहित पूरे नेटवर्क पर कार्रवाई करनी चाहिए। हनुमना चेकपोस्ट की यह स्थिति न सिर्फ परिवहन विभाग की साख पर दाग है, बल्कि यह सवाल भी खड़ा करती है कि क्या वर्दी और पद का इस्तेमाल अब लूट का लाइसेंस बन गया है।

14 साल की छात्रा से स्कूल में गैंगरेप, तीन आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडिटर, मऊगंज (निप्र)। मध्यप्रदेश के मऊगंज जिले में 14 साल की एक नाबालिग छात्रा के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। घटना तब हुई जब वह घर से पानी भरने के लिए हैंडपंप पर गई थी। गांव के ही तीन युवकों ने उसे जबरन पास के सरकारी स्कूल में ले जाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। घटना के बाद आरोपी उसे छोड़कर भाग गए। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जिनमें एक नाबालिग भी शामिल है।

पानी भरने गई थी, स्कूल में खींच ले गए: मामला लौर थाना क्षेत्र का है। नौवीं कक्षा में पढ़ने वाली 14 वर्षीय छात्रा शुक्रवार शाम करीब 6 बजे घर से बाल्टी लेकर हैंडपंप पर पानी भरने गई थी। छात्रा ने बताया कि तभी गांव के एक लड़के ने उसे पीछे से पकड़ लिया और जबरन स्कूल की बाउंड्री के अंदर ले गया। वहां उसके दो और साथी पहले से मौजूद थे। तीनों ने स्कूल के पीछे ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट भी की।

खेत में बेसुध मिली, होश आने पर बताई आपबीती: जब छात्रा काफी देर तक घर नहीं लौटी, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। वह घर के पास ही धान के एक खेत में घायल और बेहोश हालत में मिली। होश में आने पर उसने अपनी मां को पूरी घटना बताई। उसने बताया कि आरोपियों के नाम प्रिंस पटेल (19), अतुल पटेल (22) और एक 15 वर्षीय नाबालिग है।

मतदाताओं को किया जा रहा गणना पत्रक का वितरण

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का कार्य किया जा रहा है। बीएलओ चार दिसम्बर तक घर.घर जाकर मतदाताओं से मतदाता सूची के संबंध में आवश्यक जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रतिभा पाल ने बताया कि निर्वाचन आयोग से प्राप्त गणना पत्रक का वितरण किया जा रहा है। जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में बीएलओ घर.घर जाकर प्रत्येक मतदाता को दो प्रतियों में गणना पत्रक वितरित कर रहे हैं। एसडीएम हुजूर अनुराग तिवारी की उपस्थिति में बीएलओ द्वारा

गणना पत्रक का वितरण किया गया। इसमें मतदाता से जुड़ी जानकारी दर्ज कर उसकी एक प्रति मतदाता को दी जाएगी। मतदाता गणना पत्रक में जानकारी दर्ज करने के बाद हस्ताक्षर अवश्य करें। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर वर्ष 2003 की मतदाता सूची उपलब्ध है। उससे मतदाता अपनी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। कलेक्टर ने कहा है कि तीन दिन में सभी मतदाताओं को गणना पत्रक प्रदान कर दिया जाएगा। मतदाता इसे भरकर बीएलओ को उपलब्ध कराएंए जिससे बीएलओ ऑनलाइन जानकारी दर्ज कर मतदाता का सत्यापन कर सकें।

रीवा की अंकिता एवं उज्जैन के मोहम्मद कैफ का इंडिया कैंप के लिए चयन

रीवा। जिले की होनहार कबड्डी खिलाड़ी अंकिता सिंह एवं उज्जैन बड़नगर के प्रतिभावान खिलाड़ी मोहम्मद कैफ का चयन चीन में आयोजित होने वाले एशियन बीच गेम्स में भाग लेने वाली भारतीय टीम के इंडिया कैंप के लिए किया गया है। उनके इस चयन से पूरे मध्यप्रदेश में खुशी की लहर दौड़ गई है। मध्यप्रदेश अमेच्योर कबड्डी एसोसिएशन के अध्यक्ष पिंटू जोशी, सचिव जे.सी. शर्मा, संरक्षक मोहन चौहान सहित सभी पदाधिकारियों एवं मध्यप्रदेश कबड्डी परिवार ने दोनों खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं।

रोहन जॉन बने युवा कांग्रेस के रीवा विधानसभा अध्यक्ष

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। युवा कांग्रेस के रीवा विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में रोहन जॉन को निर्वाचित घोषित किया गया है। छह प्रत्याशियों के बीच हुए इस मुकाबले में उन्होंने सर्वाधिक 2374 वोट हासिल कर जीत दर्ज की। चुनाव प्रक्रिया जुलाई माह में संपन्न हुई थी। विजय के बाद रोहन जॉन ने कांग्रेस पार्टी, सभी वरिष्ठ नेताओं और रीवा विधानसभा के युवाओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने विशेष रूप से पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल भइया, पूर्व सांसद राजमणि पटेल, रीवा जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा, महापौर अजय मिश्रा बाबा, शहर अध्यक्ष अशोक पटेल, तथा संगठन मंत्री

रवि तिवारी और सज्जन पटेल का धन्यवाद जताया।

रोहन जॉन ने कहा कि युवा कांग्रेस संगठन को और मजबूत बनाने तथा युवाओं की आवाज़ को सशक्त रूप से आगे रखने के लिए वे निरंतर कार्य करेंगे। बधाई देने वालो में मुख्य रूप से एनएसयूआई के पूर्व प्रदेश संयोजक सर्वेश मिश्रा, विपिन मिश्रा, पंकज सिंह बैस, अर्पित सिंह, इत्यादि ने शुभकामनाएं दी।

पुलिस ने 6 वाहनों के चालान काटे, एसपी ने कहा- जिले में हेलमेट चेकिंग अभियान शुरू, नहीं पहनने वालों पर होगी कार्रवाई

मीडिया ऑडिटर, मऊगंज (निप्र)। पुलिस ने शुक्रवार को पांच वाहनों पर चालानी कार्रवाई की है। जिसमें 1500 समन शुल्क वसूला गया। वहीं एक ट्रक नो एंट्री में घुसा था। उससे 5000 हजार चालानी राशि वसूली गई है। जिले में एक विशेष सड़क सुरक्षा अभियान शुरू किया है। पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी ने शुक्रवार शाम पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में इस अभियान की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को यातायात नियमों का पालन करने और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना है। जिले के 6 ब्लैक स्पॉट्स पर प्रशासनिक टीम के सहयोग से सुधार कार्य किए गए हैं, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी आई है। इसके अतिरिक्त, ऑटो वाहनों के लिए एक विशेष नंबरिंग सिस्टम लागू किया गया है, ताकि यात्रियों को वाहन की पहचान करने में आसानी हो। अभियान के अगले चरण में स्कूल वाहनों और उनके चालकों का सत्यापन किया जाएगा, जिसका लक्ष्य बच्चों की सुरक्षा तय करना है। वर्तमान में हेलमेट जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य गंभीर चोटों और सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करना है। बाइक चालक हेलमेट जरूर लगाएं, नहीं तो नियमों के मुताबिक कार्रवाई होगी।

पुलिस अधीक्षक ने राह वीर योजना का भी उल्लेख किया। इस योजना के तहत, सड़क हादसों में घायल व्यक्तियों की मदद करने वालों को सरकार द्वारा 25,000 रुपए तक का इनाम दिया जाता है। पुलिस विभाग सभी थानों में इसके पोस्टर लगा रहा है और सोशल मीडिया के माध्यम से भी इसका प्रचार कर रहा है, ताकि लोग आगे बढ़कर घायलों की मदद करें। एसपी दिलीप कुमार सोनी ने अंत में कहा, यह सिर्फ अभियान नहीं, बल्कि लोगों की जान बचाने की जिम्मेदारी है।

जनजातीय कार्य मंत्री ने वीडियो कांफ्रेंसिंग से की जनजातीय गौरव दिवस के तैयारियों की समीक्षा

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पूरे प्रदेश में जन जातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई जाएगी। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जबलपुर में 15 नवंबर को आयोजित जनजाति गौरव के राज्य स्तरीय समारोह का शुभारंभ करेंगे। जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनजातीय गौरव दिवस समारोह के तैयारी की समीक्षा की। मंत्री शाह ने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस प्रदेश स्तरए जिला स्तरए विकासखंड स्तर और ग्राम पंचायत स्तर पर मनाया जाएगा। इन सभी कार्यक्रमो में गुजरात में नर्मदा में आयोजित प्रधानमंत्री जी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित जनजातीय गौरव

दिवस समारोह के सीधा प्रसारण की व्यवस्था करायें। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश की जनजाति वर्ग की अलग.अलग क्षेत्र की प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। महिला क्रिकेट विश्व कप विजेता भारतीय टीम के सदस्य बेटी क्रांति गौड़ को भी इस समारोह में सम्मानित किया जाएगा। समारोह स्थल में विभिन्न विभागों द्वारा जनजातियों के कल्याण से जुड़ी प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी समारोह स्थल में शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों और विद्यार्थियों की भी सहभागिता होगी। जनजातीय मंत्री ने कहा कि सभी कलेक्टर स्थानीय जनप्रतिनिधियों से समन्वय बनाकर जनजातीय गौरव दिवस के कार्यक्रम आयोजित करें। इनमें आदिवासी लोक कला लोकगीत और लोक संगीतों की प्रस्तुति भी शामिल करें। श्रेष्ठ कार्य करने वाले जनजाति भाई.बहनों को इन समारोहों में सम्मानित करें। जनजाति वर्ग के कल्याण के लिए सरकार कई नए कदम उठा रही है। अब कन्या छात्रावासों के नाम शबरी माता और रानी दुर्गावती तथा बालक छात्रावासों के नाम शंकर शाह रघुनाथ शाह जैसे महापुरुषों के नाम पर होंगे।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमन शुक्ला तथा कमिश्नर जबलपुर धनंजय सिंह भदोरिया ने समारोह के तैयारी की बिंदुवार जानकारी दी। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कमिश्नर कार्यालय के एनआईसी केंद्र से उपायुक्त राजस्व एल आर अहिरवारए संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठीए अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा डॉ आरपी सिंहए क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ सत्यभामा अवधियाए अधीक्षण यंत्री पीएचई महेंद्र सिंह तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

शुभम प्रसाद कुशवाहा युवा कांग्रेस रीवा जिलामहासचिव सबसे ज्यादा मतो से निर्वाचित हुए

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। हाल ही मे मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस के सम्पन्न हुए संगठनात्मक चुनाव मे रीवा जिले से जिला महासचिव पद पर शुभम प्रसाद कुशवाहा 7207 सबसे ज्यादा मतो से विजयी हुए जिस पर कार्यकर्ताओं मे उतसाह का माहौल है ईस जीत का श्रेय शुभम प्रसाद कुशवाहा आपने नेता मऊगंज के पूर्व विधायक आदरणीय सुखेन्द्र सिंह बन्ना युवा कांग्रेस के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष अमित सिंह मोहित बडे भाई बिपिन मिश्रा बडे भाई एनएसयूआई के पूर्व प्रदेश संयोजक सर्वेश मिश्रा एवं कार्यकर्तायो को जीत का श्रेय दिया बधाई दने वालो मे मुख्य रूप से नव निर्वाचित अध्यक्ष मनिगवां प्रकाश तिवारी सिरमौर जेपी कुशवाहा मिठाई खिलाकर शुभकामनाए दी।

रातों रात लखपति बन गए 6 किसान:पन्ना में एक साथ मिले करीब 12 लाख कीमत के 5 हीरे

पन्ना, एजेंसी। पन्ना में एक साथ 6 किसानों की किस्मत चमक उठी। उन्हें एक साथ 5 नग हीरे मिले हैं। इनकी कीमत करीब 12 लाख रुपए बताई जा रही है। इनमें से 3 जेम्स क्वालिटी के हैं। ये हीरे शुक्रवार को जिले के भमका उथली हीरा खदान क्षेत्र में मिले हैं। जिन्हें आज ही हीरा कार्यालय में जमा करा दिया गया है। अब इन हीरो को नीलामी में रखा जाएगा सिरस्वाहा गांव के रहने वाले किसान बृजेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि जून में उन्होंने अपने 5 साथियों विनोद ओमरे, रामकरण नायक, सूर्यभान सिंह, गुलाब सिंह और पुष्पेन्द्र पाठक के साथ मिलकर भमका क्षेत्र में हीरा खदान की जमीन का पट्टा लिया था। लगातार मेहनत के बाद शुक्रवार को एक साथ 5 हीरे मिले।

हीरे मिलना हमारे लिए एक सपने जैसा : किसान बृजेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि वे और उनके सभी पार्टनर पेशे से किसान हैं और हीरे मिलने से उनकी खुशी का ठिकाना नहीं है। हीरा नीलामी से मिलने वाली राशि को वे आपस में बराबर बांटेंगे और इसे अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने और बच्चों की पढ़ाई में खर्च करेंगे। बृजेन्द्र ने बताया कि यह अनुभव उनके लिए एक सपने जैसा है। स्थानीय लोग भी इन किसानों की खुशी में शामिल हुए और इसे पन्ना के लिए सौभाग्य का संकेत माना जा रहा है।

5 हीरो में से 3 हीरे जेम्स क्वालिटी के : हीरा पारखी अनुपम सिंह ने बताया कि मिले हीरो का वजन क्रमशः 0.74 कैरेट, 2.29 कैरेट, 0.77 कैरेट, 1.08 कैरेट और 0.91 कैरेट है। कुल वजन 5.79 कैरेट है। इनमें से 3 हीरे जेम्स क्वालिटी के हैं, जिनकी बाजार में अच्छी मांग है। सभी हीरो को आगामी नीलामी में रखा जाएगा।

जानिए खदान के आवंटन से लेकर हीरा निकालने तक की प्रक्रिया : सरकारी जमीन का पट्टा पाने की प्रक्रिया पन्ना में सरकारी जमीन का पट्टा पाने के लिए आवेदन फॉर्म भरना होता है। हीरा कार्यालय में आवेदन के साथ तीन फोटो, आधार कार्ड की कॉपी और 200 रुपए का बैंक चालान पन्ना की स्टश्च्ढ्ढ शाखा में जमा करना होता है। चालान की एक कॉपी कार्यालय में भी जमा कराना पड़ती है। इसके बाद 20 दिन के अंदर पट्टा मिल जाता है।

निजी जमीन में पट्टे आवंटन की प्रक्रिया : निजी जमीन में हीरा खदान चलाने के लिए जमीन मालिक से सहमति और समझौता पत्र, बिक्रीनामा, किरायानामा जरूरी है। 3 फोटो, आधार कार्ड की कॉपी, 200 रुपए का चालान जमा कराने के बाद पट्टा जारी कर दिया जाता है। निजी खदान कहीं भी संचालित तो हो सकती है, लेकिन इलाके का हीरा खनन क्षेत्र के नक्शे में होना जरूरी है।

ऐसे निकलता है हीरा : फॉर्म वगैरह की प्रक्रिया पूरी करने के बाद हीरा कार्यालय 8 बाई 8 मीटर का पट्टा जारी करता है। इसके बाद ठेकेदार खुद या लेबर लगाकर हीरे को खोज सकता है। हीरा पट्टा खदान में तैनात लोग बताते हैं कि मिट्टी को छांटकर बाहर फेंक दिया जाता है। पथरीली मिट्टी को पानी में धोते हैं। इसके बाद सुखाकर इसकी छनाई की जाती है। उसी में से हीरे निकलते हैं जो कि किस्मत और मेहनत का खेल है।

12त्र राजस्व काटती है सरकार : हीरा मिलने पर इसे हीरा कार्यालय में जमा कराना होता है। वहां से बाकायदा नीलामी की प्रक्रिया होती है, जिसमें देश के बड़े कारोबारी भाग लेते हैं। वे दाम लगाते हैं। जो दाम तय होता है, उसमें से 12त्र राशि राजस्व सरकार काट लेती है। बची हुई रकम हीरा ढूंढने वाले को दे दी जाती है। काटी जाने वाली राशि में 11त्र रॉयल्टी और 1त्र ञ्जष्ठस्न होता है। नीलामी की प्रक्रिया हर तीन महीने में एक बार व साल में चार बार कराई जाती है। इसके लिए अखबारों में बाकायदा विज्ञापन जारी होता है।

ऐसे तय होती है हीरे की कीमत : कलर क्लीयरिटी, कट और वजन से हीरे की कीमत तय होती है। सबसे अच्छा हीरा जैम क्वालिटी में ई और डी श्रेणी का माना जाता है। पन्ना में अमूमन ई श्रेणी का हीरा मिल जाता है। जैम क्वालिटी के हीरे की अंगूठी और दूसरी ज्वैलरी बनती है। जबकि दूसरा इंडस्ट्रियल ब्लैक हीरा होता है। इसका ग्लास कटिंग, एयरप्लेन के छर्रे सहित दूसरी व्यवसायिक गतिविधियों में उपयोग होता है। इसकी कीमत कम होती है। हीरा 50 हजार से लेकर 15 लाख रुपए कैरेट तक बिक सकता है।

1961 से हो रहा हीरा नीलामी : पन्ना में 1961 से हीरा कार्यालय काम कर रहा है। तब से हर तीन महीने पर हीरा की नीलामी होती है। हीरे की नीलामी में गुजरात, मुम्बई, दिल्ली, हैदराबाद सहित कई राज्यों के व्यापारी आते हैं। हीरा तलाश करने वाले को तुआदार कहते हैं। हीरा कार्यालय में तुआदार हीरा का परीक्षण कराकर जमा कराता है। वजन और हीरे की क्वालिटी के आधार पर उसकी न्यूनतम कीमत तय की जाती है।

ट्रक में घुसी एंबुलेंस, ड्राइवर का पैर टूटा : गर्भवती महिला को ला रही थी इटारसी अस्पताल, एनटीपीसी के सामने हादसा

इटारसी, एजेंसी। इटारसी में शुक्रवार रात करीब 9 बजे एनटीपीसी के सामने नीलकमल ढाबा के पास एक सड़क हादसा हुआ। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुखतवा से एक गर्भवती महिला को इटारसी अस्पताल ला रही एंबुलेंस आगे चल रहे ट्रक में जा घुसी। इस हादसे में पांच लोग घायल हो गए, जिनमें तीन महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। गर्भवती महिला सरिता यादव की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। टक्कर इतनी भीषण थी कि एंबुलेंस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत घायलों को एंबुलेंस से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया।

घायलों में एंबुलेंस चालक अनिल कहार का दाहिना पैर फ्रैक्चर हो गया और सिर में चार टांके आए। मल्लूपुरा निवासी सुंदरलाल यादव को सीने में गहरी चोट लगी, जबकि यशोदा यादव को हल्की चोटें आईं। सुखतवा की आशा कार्यकर्ता अमरावती यादव को मामूली चोटें आईं, और गर्भवती महिला सरिता यादव की हालत सामान्य है। आशा कार्यकर्ता अमरावती यादव ने बताया कि एंबुलेंस चालक ने नियंत्रण खो दिया और आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। उन्होंने इस घटना के लिए चालक की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया। चालक अनिल कहार की हालत गंभीर बताई जा रही है। पथरौटा पुलिस ने सभी घायलों को सरकारी अस्पताल पहुंचाया। महिला डॉ. कमलेश कमरे ने पुष्टि की कि गर्भवती महिला सरिता यादव की हार्टबीट और पल्स सामान्य हैं, और उनका इलाज जारी है। यह महिला की पहली डिलीवरी है, और उनके पति घनश्याम यादव का निधन छह महीने पहले हो चुका है। घटना की सूचना मिलने पर पथरौटा थाना प्रभारी संजीव कुमार पवार भी मौके पर पहुंचे और हादसे की जानकारी ली।

जिला मजिस्ट्रेट ने एक आदतन अपराधी को किया जिलाबदर

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिला प्रशासन द्वारा आदतन अपराधियों के विरूद्ध की जा रही कार्यवाही की कड़ी में कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट रवीन्द्र कुमार चौधरी ने एक आदतन अपराधी को जिला बदर किया है और शिवपुरी जिले तथा उसके समीपवर्ती जिलों की सीमा से छ माह के लिए बाहर जाने के निर्देश दिए है। आदतन अपराधी मंगल लोधी पुत्र लखनलाल लोधी उम्र 26 साल निवासी ग्राम राजपुर थाना पिछोर एक आदतन अपराधी है जिस पर विभिन्न धाराओं के कई प्रकरण पंजीबद्ध है। मंगल लोधी की आपराधिक गतिविधियों से शांति व्यवस्था प्रभावित होती है।

खरगोन में 19.88 लाख का अवैध गांजा जब्त, मिर्च-अरहर के बीच मिले 190 पौधे; दो आरोपी फरार

खरगोन, एजेंसी। खरगोन जिले में महाराष्ट्र सीमा से सटे हेलापड़ावा क्षेत्र में पुलिस ने शुक्रवार को 19.88 लाख रुपए मूल्य की अवैध गांजा खेती का पर्दाफाश किया है। दो अलग-अलग स्थानों पर की गई कार्रवाई में कुल 3.97 क्विंटल वजनी 190 गांजे के हरे पौधे जब्त किए गए हैं। हालांकि, दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस को गुरुवार को सूचना मिली थी कि पलोना निवासी राजू पिता इडा सिसोदिया और खड़क्यानदी निवासी कैलाश पिता गोरेलाल किराड़े ने अपने खेतों में मिर्च और अरहर (तुअर) की फसल के बीच अवैध रूप से गांजे के पौधे उगा रखे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने दबिश दी, लेकिन दोनों आरोपी अपने खेत स्थित घरों पर नहीं मिले और मौके से फरार हो गए। एक पुलिस टीम ने पलोना में राजू सिसोदिया के खेत में कार्रवाई की। यहां मिर्च और अरहर की फसल के बीच से 70 गांजे के पौधे बरामद किए गए, जिनका वजन 76.100 किलोग्राम और अनुमानित कीमत लगभग 3.80 लाख रुपए है। राजू के खेत स्थित घर पर ताला लगा पाया गया। वहीं, दूसरी टीम ने खड़क्यानदी में कैलाश किराड़े के खेत से 120 गांजे के पौधे जब्त किए। इन पौधों का कुल वजन 3 क्विंटल 21 किलोग्राम 790 ग्राम (321.79 किलोग्राम) है, जिसकी कीमत 16 लाख 8 हजार 905 रुपए आंकी गई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामले दर्ज कर लिए हैं। फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

रतलाम में धामनोद बायपास पर कार पलटी, सुबह खेत में मिली; सामने से आ रही ट्रक की हेडलाइट कम न करने से हादसा

रतलाम,एजेंसी। रतलाम के धामनोद बायपास पर शुक्रवार रात एक कार पलटी खा गई। शनिवार सुबह खेत मालिक जब अपने खेत पर पहुंचे तो पलटी हुई कार देखी और धामनोद चौकी को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन कार में कोई नहीं मिला। जांच के बाद पता चला कि कार में सवार व्यक्ति रतलाम के मेडिकल कॉलेज में भर्ती है। घटना के बाद वह कैसे अस्पताल पहुंचा, यह पुलिस को भी नहीं पता चला। घटना रात करीब 11.30 बजे हुई। कार रूक्क्र3-ञ्छ्न-3361 धामनोद बायपास पर रोड किनारे पत्थर से टकराकर पुल से नीचे खेत में पलटी खा गई। बताया जा रहा है कि कार के सामने से आ रही ट्रक का हैडलाइड (डीपर) कम नहीं करने पर कार चालक रोड के किनारे पत्थर से कार टकराते हुए रोड पर बनी पुल से नीचे उतर कर पलटी खाते हुए खेत में चली गई। खेत मालिक नगर सुरक्षा समिति का भी सदस्य है। सुबह वह खेत पर गया को क्षतिग्रस्त कार को देख धामनोद चौकी पर सूचना दी।

घायल पुलिसकर्मी का बेटा : पुलिस जांच में पता चला कि कार में सवार व्यक्ति सिद्धार्थ शर्मा अलकापुरी का रहने वाला हैं। वह घायल होकर मेडिकल कॉलेज में भर्ती है और पैर में फ्रैक्चर आया है। बताया जा रहा है कि वह दिवंगत पुलिसकर्मी का बेटा है और वर्तमान में रतलाम में किराये के घर में रहता है। धामनोद चौकी प्रभारी आनंद बागवान ने बताया कि प्राथमिक जानकारी के अनुसार रात में सामने से ट्रक की हैडलाइट की रोशनी में दिखाई नहीं देने पर फोर व्हीलर पुल से नीचे उतर गई। सुबह इसकी जानकारी मिली। घायल का इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। वह खतरे से बाहर है।

वारदात करने की फिराक में घूम रहे 4 हथियारबंद गिरफ्तार:पुलिस ने आरटीओ रोड पर जंगल में पकड़ा

सागर, एजेंसी। सागर की सिविल लाइन थाना पुलिस ने आरटीओ रोड मोड़ के पास जंगल में चार युवकों को अवैध हथियारों के साथ पकड़ा है। पुलिस का कहना है कि आरोपी धारदार हथियार लेकर किसी वारदात की योजना बना रहे थे। सभी को गिरफ्तार कर थाने में पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि आरटीओ रोड मोड़ के पास जंगल में कुछ बदमाश अवैध हथियारों के साथ किसी गंभीर अपराध को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे हैं। सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना प्रभारी आनंद सिंह ने टीम गठित कर कार्रवाई के लिए रवाना की। टीम ने मुखबिर के बतायानुसार स्थल पर पहुंचकर घेराबंदी की। जहां पुलिस को आता देख बदमाश भागने लगे। जिनका पीछा कर पुलिस जवानों ने धरदबोचा। तलाशी लेने पर उनके पास से धारदार चाकू बरामद किए गए।

मामला दर्ज कर पूछताछ कर रही पुलिस : पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम देवेंद्र पिता दिनेश राय उम्र 18 साल, अन्नू उर्फ अनुराग पिता अशोक पवार उम्र 19 साल, नीलेश पिता देवेंद्र पटेल उम्र 26 साल, सूरज पिता हेमराज अहिरवार उम्र 23 साल बताया। आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस थाने लेकर आई। सिविल लाइन थाना प्रभारी आनंद सिंह ने बताया कि वारदात करने की फिराक में घूम रहे चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से धारदार चाकू बरामद किए गए हैं। आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर पूछताछ की जा रही है।

रायसेन में रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस:प्रदेश का तीसरा सबसे ठंडा जिला, कोहरा और ठंडी हवाओं का असर बढ़ा

रायसेन, एजेंसी। रायसेन में शुक्रवार की रात का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके साथ ही इस सीजन का यह प्रदेश का तीसरा सबसे ठंडा जिला बन गया। इसी दौरान राजगढ़ में 7.4 डिग्री और रीवा में 9.6 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। पहाड़ी राज्यों में हो रही बर्फबारी के प्रभाव से मध्य प्रदेश के अन्य जिलों के साथ रायसेन में भी पिछले दो दिनों से मौसम में बदलाव आया है। दिन और रात के तापमान में 4 से 6 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। सुबह वाहनों पर ओस की बूंदें भी दिखाई दीं।

कोहरा और ठंडी हवाओं ने बढ़ाई ठिठुरन : सुबह और रात में कोहरे की धुंध छाई रही, जिससे ठंडी हवाएं चलीं। लोग गर्म कपड़ों में नजर आए और कई जगह अलाव का सहारा लेते दिखे। मौसम बदलने से अब रात के समय ठिठुरन भी महसूस होने लगी है।

आने वाले दिनों में और बढ़ेगी ठंड : मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में ठंड के साथ कोहरे का असर भी बढ़ेगा। वर्तमान में देर रात और अलसुबह ठंड का प्रभाव अधिक है, और सुबह हल्का कोहरा भी देखा जा रहा है, जो आगामी दिनों में और घना होने की संभावना है। कसानों के लिए मौसम अनुकूल मौसम विशेषज्ञ डॉ. एसएस तोमर ने बताया कि तापमान में यह गिरावट रबी सीजन की जिन खेतों में बुवाई पूरी हो चुकी है,।

विधायक ने घायल सांभर के शावक को बचाया, घर लेकर आए; बोतल से पिलाया दूध, वन विभाग ने जंगल में छोड़ा

बालाघाट, एजेंसी। बालाघाट में परसवाड़ा विधायक मधु भगत ने मानवीय संवेदना का परिचय देते हुए एक घायल सांभर के शावक की जान बचाई। विधायक ने उसे अपने घर लाकर प्राथमिक उपचार दिया। बोतल से दूध पिलाया। वन विभाग ने उसे परीक्षण कर जंगल में छोड़ दिया है। जानकारी के अनुसार, विधायक मधु भगत बगली पाठ मेले से अपने निवास चरेगांव लौट रहे थे। रात के समय रंगोपाठ मंदिर के पास सड़क किनारे उन्हें एक घायल सांभर का शावक दिखाई दिया।

विधायक ने तुरंत उसे अपनी गाड़ी में रखवा अपने घर ले आए। घर पहुंचकर उन्होंने हल्दी तेल का लेप लगाकर उसकी प्राथमिक चिकित्सा कर बोतल से दूध पिलाया। रातभर उसकी देखभाल की। इसके बाद विधायक मधु भगत ने घटना की जानकारी वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही दक्षिण सामान्य वन मंडल के सहायक वन परिक्षेत्र अधिकारी, वन रक्षक दल और सहायक पशु चिकित्सक विधायक निवास चरेगांव पहुंचे। वन अमले ने घायल सांभर की स्थिति का निरीक्षण किया और पंचनामा तैयार किया। सहायक पशु चिकित्सक ने सांभर के घावों की जांच की और उसका उपचार जारी रखा।

सीहोर में कपड़े की दुकान में आग, लाखों का नुकसान: दुकानदार ने बिजली विभाग की डीपी को जिम्मेदार ठहराया; फायर ब्रिगेड ने काबू पाया

सीहोर, एजेंसी। सीहोर शहर के गांधी रोड और चंद्रशेखर आजाद मार्ग पर स्थित एक कपड़े की दुकान में शुक्रवार-शनिवार दरमियानी रात भीषण आग लग गई। इस घटना में लाखों रुपए के नुकसान का अनुमान है। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन दुकानदार ने इसके लिए पास में लगी विद्युत वितरण कंपनी की डीपी (डिस्ट्रीब्यूशन पॉइंट) को जिम्मेदार ठहराया है।

देर रात 3 बजे लगी आग, स्थानीय लोगों ने शुरू किया प्रयास : जानकारी के अनुसार, सीहोर के मुख्य बाजार क्षेत्र में स्थित इस दुकान में रात करीब 3 बजे आग लगी। स्थानीय लोगों ने धुआं उठता देख तत्काल एक-दूसरे को सूचित किया और अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

दुकान मालिक बोले- मना किया था, फिर भी ष्ठक्कलगाई : दुकान के मालिक नूर मंसूरी ने बताया कि आग पास में लगी विद्युत वितरण कंपनी की डीपी के कारण लगी है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब यह डीपी लगाई जा रही थी, तब उन्होंने बिजली अधिकारियों से इसे व्यस्त कपड़े की दुकानों वाले क्षेत्र में न लगाने का आग्रह किया था, लेकिन अधिकारियों ने उनकी बात नहीं सुनी। मंसूरी के अनुसार, इसी डीपी के कारण उन्हें भारी नुकसान हुआ है।

सजगता से टला बड़ा हादसा : यह घटना सीहोर के मुख्य बाजार क्षेत्र में हुई है, जहाँ बड़ी संख्या में दुकानें स्थित हैं। स्थानीय निवासियों की सजगता के कारण आग को आसपास की अन्य दुकानों में फैलने से रोका जा सका। आग इतनी भीषण थी कि इसका धुआं और लपटें काफी दूर से भी दिखाई दे रही थीं।

पचमढ़ी हवाई पट्टी की सीमा हो रही कवर्ड : 8400 वर्गमीटर में होनी है तार-फेसिंग, 6500 वर्गमीटर पूरा; हवाईपट्टी निर्माण डेढ़ साल से रुका

नर्मदापुरम, एजेंसी। मप्र के एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी में हवाई पट्टी और हेलीपेड की सीमा को सुरक्षित करने के लिए पीडब्ल्यूडी की ओर से तार फेंसिंग का काम किया जा रहा है। पिछले 20 दिनों से यह काम जारी है और अब तक 6500 वर्गमीटर में तार फेंसिंग पूरी हो चुकी है। फेंसिंग न होने के कारण रात के समय कई लोग खुले में शराब पीने आते थे और कचरा छोड़कर चले जाते थे। साथ ही, मवेशी और जंगली जानवर भी हवाई पट्टी व हेलीपेड के क्षेत्र में घुस जाते थे। पीडब्ल्यूडी के ईई अनुराग सिंह ने बताया कि हवाई पट्टी और हेलीपेड की जमीन पीडब्ल्यूडी के पास है और इसकी सीमा पहले खुली थी। इसे अब तार फेंसिंग के माध्यम से कवर्ड किया जा रहा है, ताकि अजनबी और फालतू लोग अंदर न जा सकें और मवेशी व जंगली जानवरों से सुरक्षा बनी रहे। इंजीनियर कैलाश गुर्दे के अनुसार, कुल 8400 वर्गमीटर क्षेत्र में फेंसिंग की जाएगी और वर्तमान में 6500 वर्गमीटर में काम पूरा हो चुका है।

हवाई पट्टी का होना है निर्माण, अभी रोक लगी है : पचमढ़ी को हवाई मार्ग से जोड़ने के लिए फिर से हवाई पट्टी के निर्माण की कवायद कई साल से हो रही है। जानकारी के मुताबिक पचमढ़ी में 1400 मीटर की पुरानी हवाई पट्टी को 1800 मीटर लंबी करने के लिए निर्माण किया जा रहा था। हालांकि एनजीटी की रोक लगने बाद यह निर्माण बंद हो गया। इसके बाद हवाई पट्टी का निर्माण फिर से करने के लिए प्रोजेक्ट तैयार किया जा रहा है। इस बार विभाग सभी जरूरी अनुमतियां लेकर ही निर्माण करेगा। हवाई पट्टी की लंबाई 400 मीटर बढ़ाई जाएगी या नहीं, इसपर अभी निर्णय होना बाकी है। विभाग का कहना है कि हवाई मार्ग से जुड़ने के बाद पचमढ़ी का पर्यटन बढ़ जाएगा। यहां 20 सीटर तक के हवाई जहाज उतारे जा सकते हैं। देश के किसी भी कोने से पर्यटक कुछ ही घंटों में पचमढ़ी पहुंच जाएंगे। हवाई पट्टी के बनने से रोजगार, विकास सहित कई फायदे होंगे।

वाइल्ड लाइफ के क्षेत्र में है पुरानी हवाई पट्टी : पचमढ़ी में स्थित पुरानी 1400 मीटर की हवाई पट्टी वाइल्ड लाइफ के क्षेत्र में है। इसलिए पीडब्ल्यूडी और वाइल्ड लाइफ, पर्यवरण से अनुमति लेने के लिए विभाग को कड़ी मशक्कत करना पड़ रही है। कागजी तैयारी करने के लिए जानकार अधिकारी कर्मचारियों को प्रोजेक्ट में शामिल किया जा रहा है।

जिले के 1398 किसानों ने कराया पंजीयन, 970 किसानों को प्रदाय किए एसएमएस

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। सभी किसान भाईयों को उर्वरक सुगमता पूर्वक प्राप्त हो सके इस हेतु कलेक्टर रवींद कुमार चौधरी द्वारा जिले में खाद वितरण हेतु ई-टोकन प्रणाली को 10 नवंबर से लागू किया जा रहा है। जिसके तहत ई-टोकन के पंजीयन का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। किसानों द्वारा 07492-181 पर कॉल कर अपना खसरा नंबर, रकबा, ग्राम एवं तहसील आदि की जानकारी ऑपरेटर को प्रदाय कर अपना पंजीयन कराया जा रहा है। शनिवार को कुल 1398 किसानों द्वारा पंजीयन कराया गया है। जिसमें कॉल सेंटर के ऑपरेटर द्वारा 422 पंजीयन तथा क्यूआर कोड के द्वारा 976 पंजीयन किए गए। 970 पंजीकृत किसानों को एसएमएस भी प्रदाय किया जा चुका है।

उपसंचालक कृषि ने बताया कि 07492-181 पर रविवार के दिन अवकाश रहेगा। जबकि सोमवार से पंजीयन का कार्य पुनः प्रारंभ किया जाएगा। लेकिन क्यूआर कोड एवं लिंक के माध्यम से पंजीयन का कार्य प्रतिदिन जारी रहेगा। उर्वरक उपलब्धतानुसार कृषक को फोन पर एसएमएस के माध्यम से नियत दिनांक एवं समय का टोकन प्रदाय किया जाएगा, जिससे कृषक अपने नजदीकी विक्रय केंद्र पर जाकर खाद प्राप्त कर सकेगा। जिलेवार पंजीकृत किसानों को भेजे गए एसएमएस में करेरा को 42, कोलारस को 156, खनियाधाना को 198, नरवर को 13, पिछोर को 344, पोहरी को 29, बदरवास को 69, बैराड को 21, रन्नोद को 37, शिवपुरी को 61 किसान शामिल है।

आईपीएल 2026 : एमएस धोनी खेलेंगे, सीएसके के सीईओ काशी विश्वनाथन ने किया कंफर्म

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से 2020 में संन्यास ले लिया था। लेकिन, आईपीएल में वह अभी सक्रिय हैं। धोनी 44 साल के हो चुके हैं। इसलिए अगले आईपीएल में खेलेंगे या नहीं, इसको लेकर उनके फैंस के मन में कई सवाल हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के सीईओ काशी विश्वनाथन ने शुक्रवार को कहा कि धोनी अगले सीजन में खेलने को तैयार हैं। विश्वनाथन का बयान धोनी फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। आईएएनएस से बात करते हुए काशी विश्वनाथन ने कहा कि मौजूदा स्थिति को देखते हुए आईपीएल 2026 में एमएस धोनी के खेलने की संभावना है। विश्वनाथन ने सीएसके और आरआर के बीच संजू सैमसन के ट्रेड से संबंधित खबरों को निराधार बताते हुए कहा कि अगले कुछ दिनों में ऐसी खबरें आती रहेंगी। फिलहाल इन खबरों का आधार नहीं है।

एमएस धोनी सीएसके का सबसे बड़ा चेहरा और टीम की लोकप्रियता और सफलता की बड़ी वजह भी हैं। धोनी आईपीएल के पहले सीजन (2008) से ही टीम से जुड़े हुए हैं। 2 साल के लिए जब टीम प्रतिबंधित हुई थी, उस वक्त वह राइजिंग पुणे सुपरजाइंट का हिस्सा थे। आईपीएल 2026 लीग का 19वां सीजन होगा। अब तक आयोजित सभी 18 सीजन धोनी खेले हैं। इसमें 16 सीजन सीएसके और 2 सीजन पुणे के

लिए। अपनी कप्तानी में टीम को पांच खिताब दिला चुके धोनी ने 2022 में सीएसके की कप्तानी छोड़ दी थी। रवींद्र जडेजा की कप्तानी में जब टीम अच्छा प्रदर्शन करने में कामयाब नहीं हुई, तो उसी सीजन के मध्य में धोनी ने फिर से टीम की कमान संभाल ली। 2024 की शुरुआत में धोनी ने सीएसके की कप्तानी फिर छोड़ी और ऋतुराज गायकवाड़ को टीम की कमान सौंपी गई। 2025 के प्रथम चरण के बाद गायकवाड़ इंजरी की वजह से सीजन से बाहर हो गए और बतौर कप्तान धोनी फिर से लौटे। आईपीएल 2025 सीएसके के लिए बुरे सपने की तरह था। टीम 14 में से 4 मैच जीत सकी थी।

एमएस धोनी की कप्तानी में सीएसके लीग में सफलता और लोकप्रियता के आधार पर शीर्ष पर रही है। धोनी ने अपनी कप्तानी में टीम को 5 बार खिताब जिताया है। आखिरी बार सीएसके 2023 में उनकी कप्तानी में ही कप्तान बनी थी। बतौर बल्लेबाज भी धोनी टीम के लिए बेहद अहम रहे हैं, 248 मैचों में 4,865 रन बना चुके हैं। आईपीएल 2026 में धोनी फैंस चाहेंगे कि वह बतौर बल्लेबाज और कप्तान फिर टीम को शिखर पर ले जाएं।

अवनि लेखरा : बचपन में हादसे ने बदली जिंदगी, फिर पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट बनकर खुद बनाई अपनी तकदीर

नई दिल्ली, एजेंसी। पैरालंपिक गेम्स में 2 बार गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रचने वालीं भारतीय पैरा निशानेबाज अवनि लेखरा ने देश का मान बढ़ाया है। स्पाइनल कॉर्ड इंजरी के बावजूद अवनि ने दृढ़ संकल्प और मेहनत से विश्व स्तर पर भारत का नाम रोशन किया है। 8 नवंबर 2001 को जयपुर (राजस्थान) में जन्मीं अवनि को बचपन से ही काफी संघर्ष करना पड़ा। जब वह महज 11 साल की थीं, तो एक दुर्घटना के चलते कमर का निचला हिस्सा लकवाग्रस्त हो गया। इस हादसे ने अवनि की जिंदगी बदल दी। अब उन्हें व्हीलचेयर का सहारा लेना पड़ता था। इस हादसे का अवनि पर गहरा प्रभाव पड़ा। हल्का सामान उठाना भी उनके लिए मुश्किल था, लेकिन तमाम परेशानियों के बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी। पिता का मानना था कि अगर अवनि को किसी खेल से जोड़ा जाए, तो उनकी मायूसी दूर हो सकती है। उन्होंने बेटी को शूटिंग शुरू करने के लिए कहा।

इस हादसे के करीब 3 साल बाद अवनि शूटिंग में अपना करियर बनाने की ठान चुकी थीं। वह ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट अभिनव बिंद्रा से काफी प्रेरित थीं।

2020 टोक्यो पैरालंपिक में अवनि ने गोल्ड जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने 10 मीटर एयर राइफल एसएच 1 इवेंट के फाइनल में 249.6 के स्कोर के साथ गोल्ड जीता। वह पैरालंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। इसी पैरालंपिक में उन्होंने 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन एसएच 1 में ब्रॉन्ज मेडल भी अपने नाम किया।

यह पैरालंपिक कोरोना महामारी के चलते साल 2021 में हुआ था। तीन साल बाद पेरिस में पैरालंपिक गेम्स का आयोजन होना था, जिससे 5 महीने पहले अवनि लेखरा को गाल ब्लैडर की पथरी निकलवाने के लिए ऑपरेशन करवाना पड़ा, जिससे उनकी ट्रेनिंग प्रभावित हुई, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक में पुरुष और महिला वर्ग में छह-छह टीमें हिस्सा लेंगी- आईसीसी

नई दिल्ली, एजेंसी। लॉस एंजिल्स ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल किया जा चुका है। क्रिकेट को वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से ये फैसला लिया गया है। क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था आईसीसी ने कहा कि ओलंपिक में क्रिकेट में महिला और पुरुष वर्ग में 6-6 टीमें हिस्सा लेंगी और मैच टी20 प्रारूप में खेले जाएंगे। कुल 28 मैच खेले जाएंगे। आईसीसी ने कहा, अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति और लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों के साथ बोर्ड के जुड़ाव की समीक्षा की गई। क्रिकेट वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत उपस्थिति बढ़ा रहा है। इस वजह से ओलंपिक में क्रिकेट को जगह देने के फैसले की सराहना की गई। पुरुष और महिला वर्ग को 90 एथलीट कोटा आवंटित किए गए हैं, जिससे भाग लेने वाले देश 15 खिलाड़ियों की टीम बना सकते हैं। मैच 12 से 29 जुलाई, 2028 तक खेले जाएंगे। महिलाओं का फाइनल 20 जुलाई को जबकि पुरुषों का फाइनल 29 जुलाई को आयोजित होगा। बोर्ड ने कहा कि ओलंपिक से पहले क्रिकेट एशियाई खेल 2026, अफ्रीकी खेल 2027 और पैन-अमेरिकन खेल 2027 में भी खेला जाएगा। अमेरिकन खेल में भी क्रिकेट की नई यात्रा की शुरुआत होगी। आईसीसी ने वर्ष 2026 के लिए सहयोगी सदस्यों को धन वितरण में करीब 10 प्रतिशत की वृद्धि को मंजूरी दी है। इसका उद्देश्य क्रिकेट के उभरते देशों में घरेलू कार्यक्रमों और संरचनाओं के विकास में और अधिक निवेश को बढ़ावा देना है। पेरिस में 1900 में खेले गए ओलंपिक में क्रिकेट शामिल था। ग्रेट ब्रिटेन ने फ्रांस को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। 128 साल बाद दूसरी बार क्रिकेट को ओलंपिक का हिस्सा बनाया गया है। इसकी घोषणा पिछले साल आईओसी ने की थी। ओलंपिक में शामिल होने के बाद क्रिकेट की लोकप्रियता वैश्विक स्तर पर फुटबॉल और टेनिस के समान हो सकती है।

भारतीय शतरंज खिलाड़ी राहुल वी.एस. बने देश के 91वें ग्रैंडमास्टर

नई दिल्ली। भारतीय शतरंज खिलाड़ी राहुल वी.एस. ने शानदार प्रदर्शन करते हुए छठी एशियाई इंडिविजुअल चैम्पियनशिप एक राउंड शेष रहते ही जीत ली है। इस जीत के साथ ही उन्होंने देश के 91वें ग्रैंडमास्टर बनने का गौरव हासिल किया। 21 वर्षीय राहुल, जो पहले एशियाई जूनियर चैम्पियन भी रह चुके हैं, ने वर्ष 2021 में अपना इंटरनेशनल मास्टर खिताब हासिल किया था, जब उन्होंने चौथा और पांचवां आईएम नॉर्म पूरा किया था और 2400 की लाइव रेटिंग को पार किया था।अखिल भारतीय शतरंज महासंघ के अध्यक्ष नितिन नारंग ने राहुल को बधाई देते हुए 'एक्स' पर लिखा, राहुल वी. एस. को हार्दिक बधाई, जिन्होंने एशियाई इंडिविजुअल चैम्पियनशिप एक राउंड शेष रहते जीत ली और इसी के साथ भारत के 91वें ग्रैंडमास्टर बने! भारत का गौरव बढ़ाने के लिए शुभकामनाएं और आगे भी अनेक सफलताओं की कामना। फिलीपींस में आयोजित इस चैम्पियनशिप में राहुल के इस नवीनतम खिताबी प्रदर्शन ने उनके अंतिम जीएम (ग्रैंडमास्टर) नॉर्म की पुष्टि कर दी, जिससे उन्होंने ग्रैंडमास्टर बनने की सभी आवश्यकताएं पूरी कर लीं। गौरतलब है कि राहुल, दो हफ्तों में भारत के दूसरे ग्रैंडमास्टर बने हैं। इससे पहले युवा प्रतिभा इलमपार्थी ए. आर. ने 30 अक्टूबर को यह उपलब्धि हासिल की थी।

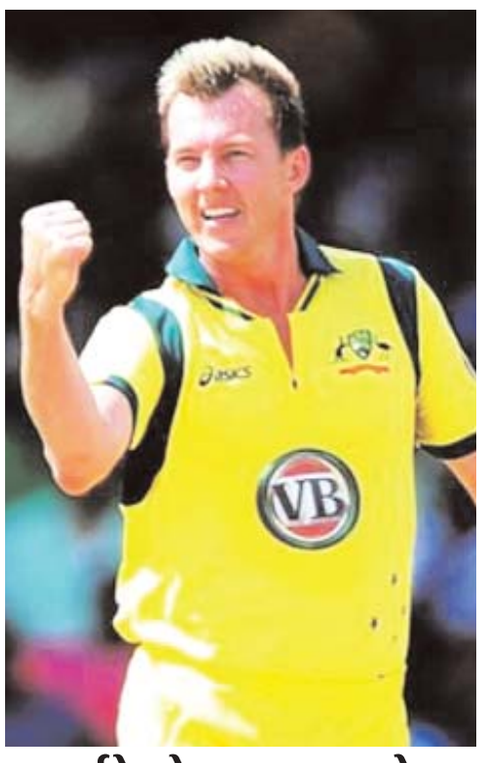

बर्थडे स्पेशल: रफ्तार के सौदागर ब्रेट ली को करनी पड़ी थी सेल्समैन की नौकरी

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के ब्रेट ली का नाम पाकिस्तान के शोएब अख्तर के साथ क्रिकेट इतिहास के सर्वकालिक तेज गेंदबाज के रूप में लिया जाता है। सटीक लाइन लेंथ के साथ ब्रेट ली की कहर बरपाती गेंदें विपक्षी बल्लेबाजों के लिए मुश्किल पैदा करती थीं। अक्सर ऐसा होता था कि बल्लेबाज कुछ समझे उससे पहले ली की गेंद उसका विकेट उड़ा चुकी होती थी। विश्व क्रिकेट के सबसे कामयाब तेज गेंदबाज ली को अपने सपने को पूरा करने के लिए सेल्समैन की नौकरी करनी पड़ी थी। ब्रेट ली का जन्म 8 नवंबर 1976 को न्यू साउथ वेल्स में हुआ था। ली ने किशोरावस्था से ही ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने का सपना देखा था। उनकी गेंद की गति को देख उन्हें मौके भी मिल रहे थे। लेकिन, आर्थिक रूप से खुद को सबल बनाए रखने के लिए ब्रेट ली ने पुरुषों के सूट बनाने वाली बार्कले स?टोर में सेल्समैन की नौकरी की थी। तब, ऑस्ट्रेलिया के लिए उनका डेब्यू नहीं हुआ था और घरेलू क्रिकेट में पैसे पर्याप्त नहीं मिलते थे। इसलिए अपने सपने को पूरा करने के लिए ली सेल्समैन की नौकरी से भी नहीं चूके। ली की ये कहानी उन युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो किसी मजबूरीवश अपने सपने से समझौता कर लेते हैं। 23 साल की उम्र में ब्रेट ली ने 1999 में ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट और 2000 में वनडे में डेब्यू किया था। 2005 में उन्होंने टी20 में डेब्यू किया था। अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू के बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। अब उनका नाम ऑस्ट्रेलिया के सबसे धनी खिलाड़ियों में शुमार है। ली ने 76 टेस्ट में 310 विकेट, 221 वनडे में 380 विकेट और 25 टी20 में 28 विकेट लिए। ब्रेट ली ने 2005 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 161.1 किमी/घंटा (100.1 मील प्रति घंटा) की गति से गेंद फेंकी थी। यह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में उनकी सबसे तेज गेंद है। इसी गेंद ने उन्हें विश्व का दूसरा सबसे तेज गेंदबाज बना दिया। सबसे तेज गेंद का रिकॉर्ड पाकिस्तान के शोएब अख्तर के नाम है। अख्तर ने 2003 क्रिकेट विश्व कप में इंग्लैंड के निक नाइट के खिलाफ 161.3 किमी/घंटा (100.23 मील प्रति घंटा) की गति से गेंद फेंकी थी। तीनों फॉर्मेट मिलाकर ब्रेट ली ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 718 विकेट लिए हैं और सफलतम गेंदबाजों की सूची में 15वें स्थान पर हैं।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया से टी-20 सीरीज जीती : पांचवां मैच बारिश के कारण बेनतीजा, अब तक ऑस्ट्रेलिया में कोई टी-20 सीरीज नहीं हारी टीम इंडिया

ब्रिस्बेन, एजेंसी। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को उसी के घर में टी-20 सीरीज में 2-1 से हरा दिया है। 5 मैचों की टी-20 सीरीज का 5वां और आखिरी मुकाबला भी बारिश के कारण बेनतीजा रहा है। पहला मैच भी बेनतीजा हुआ था। सीरीज का चौथा और तीसरा मैच भारत ने जीता था। जबकि ऑस्ट्रेलिया ने दूसरा मैच जीता था। ब्रिस्बेन के द गाबा मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। भारत ने 4.5 ओवर में बगैर नुकसान के 52 रन ही बनाए थे कि मौसम खराब हो गया और खेल रोक दिया गया। ओपनर अभिषेक शर्मा 23 और शुभमन गिल 29 रन पर नाबाद लौटे। बिजली कड़कने के कारण कुछ सीटें भी खाली करानी पड़ी। थोड़ी देर बार बारिश भी शुरू हो गई। करीब दो घंटे की बारिश के बाद मैच बेनतीजा कर दिया गया।

अभिषेक शर्मा प्लेयर ऑफ द सीरीज: भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने गए हैं। उन्होंने 5 मैचों में 161.38 के स्ट्राइक रेट से 163 रन बनाए। इसमें एक फिफ्टी शामिल रही। मैच का स्कोरबोर्ड

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत का प्रदर्शन: ऑस्ट्रेलिया में कभी भी टी-20 सीरीज नहीं हारा भारत इस सीरीज के जीतने के साथ भारत का ऑस्ट्रेलिया की पिचों पर टी-20 सीरीज में नहीं हारने का रिकॉर्ड कायम है। टीम ने 2008 से अब तक ऑस्ट्रेलिया में 5 सीरीज खेली हैं। इनमें से 4 में जीत मिली है, जबकि दो ड्रॉ रही हैं।

प्लेइंग-11

ऑस्ट्रेलिया: मिचेल मार्श (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), टिम डेविड, मिचेल ओवेन, मार्कस स्टोयनिस, ग्लेन मैक्सवेल, जैवियर बार्टलेट, बेन ड्वारशस, नाथन एलिस और एडम जम्पा।

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, शिवम दुबे, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती और जसप्रीत बुमराह।

आईसीसी हेडक्वार्टर पहुंचे मोहसिन नकवी, बीसीसीआई ने उठाया एशिया कप ट्रॉफी का मुद्दा

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी शुक्रवार को दुबई स्थित आईसीसी हेडक्वार्टर पहुंचे, जहां बीसीसीआई ने एशिया कप ट्रॉफी का मुद्दा उठाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस बैठक के दौरान एशिया कप के मुद्दे पर आईसीसी बोर्ड के सदस्यों के बीच सौहार्दपूर्ण माहौल देखने को मिला। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया आईसीसी बोर्ड में भारतीय प्रतिनिधि थे, जिन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा है कि भारत को तुरंत ट्रॉफी सौंप दी जानी चाहिए। हालांकि, यह चर्चा अनौपचारिक थी। इस मुद्दे पर तब चर्चा हुई जब बोर्ड के सदस्य अनौपचारिक बातचीत कर रहे थे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि एशियन क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष के रूप में मोहसिन नकवी ट्रॉफी को अपने पास रखे हुए हैं, जो असल में भारत की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस मुद्दे पर शुक्रवार रात तक किसी पैनल का गठन नहीं हुआ, लेकिन जरूरत पड़ने पर इसके लिए एक पैनल गठित किया जा सकता है। बीसीसीआई चाहता है कि ट्रॉफी जल्द ही भारत को सौंप दी जाए, जो दुबई स्थित एसीसी कार्यालय में मौजूद है। एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने आदेश दिया है कि उनकी अनुमति के बिना इसे कहीं और न ले जाया जाए। 28 सितंबर को भारत-पाकिस्तान के बीच एशिया कप 2025 का फाइनल दुबई में खेला गया था, जिसमें टीम इंडिया ने 5 विकेट से जीत दर्ज की। खिताबी जीत के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी के हाथों ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया, जो पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष और पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं। मोहसिन नकवी और अधिकारियों ने कुछ देर मंच पर भारतीय टीम के ट्रॉफी लेने का इंतजार किया, जिसके बाद अधिकारी इस ट्रॉफी को अपने साथ वापस ले गए। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने ट्रॉफी के बगैर ही जश्न मनाया। इस घटना के बाद भारत को ट्रॉफी न सौंपने के लिए मोहसिन नकवी को आलोचना का सामना करना पड़ा था।

महिला वनडे विश्व कप 2029 के लिए आईसीसी ने टीमों की संख्या बढ़ाई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और श्रीलंका में आयोजित महिला वनडे विश्व कप 2025 में भाग लेने वाली टीमों की संख्या 8 थी। 2029 में होने वाले अगले महिला वनडे विश्व कप के लिए आईसीसी ने टीमों की संख्या बढ़ाने की घोषणा की है। आईसीसी की तरफ से जारी बयान में कहा गया, आईसीसी बोर्ड, महिला विश्व कप 2025 की सफलता को आगे बढ़ाने के लिए अगले टूर्नामेंट में टीमों की संख्या 8 से बढ़ाकर 10 करने पर सहमत है। हाल में संपन्न विश्व कप में लगभग 300000 दर्शकों ने स्टेडियम में जाकर मैच देखे। यह किसी भी महिला क्रिकेट प्रतियोगिता में दर्शकों की उपस्थिति का नया रिकॉर्ड है। ऑन-स्क्रीन दर्शकों की संख्या भी दुनिया भर में करीब 50 करोड़ रही, जो नया रिकॉर्ड है। टीमों की संख्या बढ़ाने का फैसला शुक्रवार को दुबई में हुई बोर्ड की बैठक में लिया गया। फैसले का उद्देश्य महिला क्रिकेट को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाना है। 2 नई टीमों के आने से निश्चित रूप से प्रतियोगिता में प्रतिस्पर्धा और रोमांच बढ़ेगा। साथ ही दर्शकों की संख्या भी बढ़ेगी। टीमों की संख्या बढ़ने से आयरलैंड जैसी टीम को विश्व कप खेलने का मौका मिल सकता है जिसने पिछले कुछ समय में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। महिला विश्व कप 2025 में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका ने शिरकत की। मैच राउंड रॉबिन फॉर्मेट में खेले गए। भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल में पहुंची थीं। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को और दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। 2 नवंबर को खेले गए फाइनल में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना पहला विश्व कप जीता।

भारतीय हॉकी के 100 गौरवशाली वर्ष : राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया रहे मुख्य अतिथि, चंडीगढ़ हॉकी लीग का लोगो हुआ लॉन्च

चंडीगढ़, एजेंसी। भारतीय हॉकी के 100 गौरवशाली वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में हॉकी चंडीगढ़ ने यूटी चंडीगढ़ खेल विभाग के सहयोग से सेक्टर-42 स्थित हॉकी स्टेडियम में भारतीय हॉकी शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में एक भव्य समारोह का आयोजन किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर पंजाब के राज्यपाल एवं यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि यूटी चंडीगढ़ के मुख्य सचिव एच. राजेश प्रसाद विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में स्वागत भाषण देते हुए हॉकी चंडीगढ़ के अध्यक्ष करण गिल्होत्रा ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि चंडीगढ़ इस ऐतिहासिक समारोह की मेजबानी कर रहा है। इस आयोजन का उद्देश्य नई पीढ़ी को भारतीय हॉकी की स्वर्णिम विरासत से जोड़ना है।

इस अवसर पर प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने नई शुरू की गई चंडीगढ़ हॉकी लीग का लोगो लॉन्च किया। यह लीग प्रत्येक वर्ष आयोजित की जाएगी, जिसमें ?35 लाख की पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों को 'नशा मुक्त भारत' की शपथ भी दिलाई।

कार्यक्रम के दौरान प्रशासक गुलाब चंद कटारिया एवं मुख्य सचिव एच. राजेश प्रसाद ने उन खिलाड़ियों और कोचों को सम्मानित किया जिन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिताओं में चंडीगढ़ का नाम रोशन किया है। इनमें ओलिंपियन दीपक ठाकुर, राजपाल सिंह, बलजीत सिंह और गुरजंत सिंह के साथ-साथ भारतीय टीम के वर्तमान खिलाड़ी संजय, मनिंदर सिंह और विक्रमजीत सिंह शामिल थे। भारतीय जूनियर टीम के कप्तान रोहित के परिजन भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में गुलाब चंद कटारिया ने कहा, चंडीगढ़ ने भारतीय हॉकी को अनेक ओलंपियन खिलाड़ी दिए हैं, जिन्होंने देश का गौरव बढ़ाया है। यहां की प्रतिभा, समर्पण और खेल भावना वास्तव में प्रेरणादायक है। मुझे विश्वास है कि आने वाले वर्षों में चंडीगढ़ भारतीय हॉकी की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा। उन्होंने हॉकी लीग के आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि यह गर्व की बात है कि इस क्षेत्र के युवा खिलाड़ी निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश को गौरवान्वित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रशासन भारतीय हॉकी के उत्थान हेतु सर्वोत्तम सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। कटारिया ने कहा कि पंजाब ने हमेशा भारतीय हॉकी का नेतृत्व गर्व के साथ किया है और आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी राज्य भारतीय हॉकी की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाता रहेगा।

कार्यक्रम का समापन हॉकी चंडीगढ़ की ओर से धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिसमें चंडीगढ़ प्रशासन, सहयोगी संस्थाओं और खेल समुदाय के निरंतर समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया गया।

कार्यक्रम में प्रेरणा पुरी, आईएएस, शिक्षा सचिव; सौरभ कुमार अरोड़ा, पीसीएस, निदेशक खेल विभाग; तथा चंडीगढ़ प्रशासन के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

राष्ट्र भाव का शाश्वत मंत्र है वन्देमातरम् - कैबिनेट मंत्री

वंदेमातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा जिला कार्यालय में हुआ सामूहिक वंदेमातरम् गायन

जगदलपुर, एजेंसी। राष्ट्र गीत वन्देमातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आज शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में सामूहिक वन्देमातरम् गायन का आयोजन किया गया। जिसमें विशेष रूप से कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप शामिल हुये।इस मौके पर मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि वंदेमातरम सिर्फ गीत नहीं वरन् भारत की आत्मा और राष्ट्र भाव का शाश्वत मंत्र है।

भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित सामूहिक वन्देमातरम् गायन में जिले भर के कार्यकर्ता सहभागी बने। मंत्री कश्यप ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आज तक वंदेमातरम ने देशवासियों में राष्ट्र भक्ति, आत्मसम्मान और मातृभूमि के प्रति समर्पण की अद्भुत चेतना जगायी है। बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय की यह अमर रचना स्वतंत्रता संग्राम के हर चरण में राष्ट्रप्रेम, आत्मबल व जनजागरण की प्रेरणा बनी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में वंदेमातरम की 150 वीं वर्षगांठ का स्मरणोत्सव हमें राष्ट्रीय एकता, त्याग व कर्तव्य बोध की पुनः स्मृति कराता है। केदार कश्यप ने कहा कि देश में विघटनकारी शक्तियाँ

भिन्न भिन्न रूपों में आज भी सक्रिय हैं, जिनसे देश को सुरक्षित रखना है। वंदेमातरम् से जन जन को जोड़ कर राष्ट्रीय चेतना जगाने का काम हम सभी को सतत करना है। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को भाजपा जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय, पूर्व विधायक डा. सुभाऊ कश्यप व पूर्व जिला अध्यक्ष विद्या शरण तिवारी ने भी उद्बोधन दिया।

कार्यक्रम का संचालन जिला मंत्री नरसिंह राव व आभार प्रदर्शन जिला कोषाध्यक्ष रजनीश पाणिग्रही ने किया। आयोजन में प्रमुख रूप से जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप, बैदूराम कश्यप, निगम अध्यक्ष खेम सिंह देवांगन, श्रीनिवास मिश्रा, प्रकाश झा, अविनाश श्रीवास्तव, आनंद मोहन मिश्रा, अश्विन सरडे, मनीराम कश्यप, ललिता बघेल, सुधा मिश्रा, उमाकांत सिंह, दंतेश्वर राव, आर्येन्द्र आर्य, मनोहर तिवारी, सुरेश गुप्ता, शशि नाथ पाठक, योगेश शुक्ला, दशरथ गुप्ता, विक्रम सिंह यादव, अतुल सिम्हा, संजय चंद्राकर, दिगम्बर राव, संतोष बाजपेयी, सूर्य भूषण सिंह, बृजेश भदौरिया, दिनेश केजी, प्रकाश रावल, ब्रिजेश शर्मा आदि सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वंदे मातरम के 150 वर्ष कमिश्नर कार्यालय में किया गया वन्दे मातरम् का सामूहिक गायन

जगदलपुर, एजेंसी। भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की रचना के 150 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक अवसर पर शुक्रवार 07 नवंबर को कार्यालय कमिश्नर बस्तर संभाग में प्रातः 11 बजे वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया गया। साथ ही इस दौरान देश की राजधानी नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उदघाटन किए जा रहे राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम को वर्चुअल तौर पर सभी अधिकारी-कर्मचारियों ने तन्मयता के साथ देखा। इस मौके पर कमिश्नर बस्तर श्री डोमन सिंह सहित डिप्टी कमिश्नर श्री बीएस सिदार एवं गीता रायस्त और कमिश्नर कार्यालय समेत कोष-लेखा एवं पेंशन, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण कार्यालयों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। इस ऐतिहासिक अवसर पर कलेक्टोरेट सहित जिला पंचायत

और अन्य सभी शासकीय कार्यालयों में भी अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया गया।

उल्लेखनीय है कि भारत का राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम रचना के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम आगामी एक वर्ष तक आयोजित किया जाएगा। जो 7 नवंबर 2025 को शुरू होगा और चार चरणों में आयोजित होते हुए 07 नवम्बर 2026 तक चलेगा। इस दौरान शासकीय कार्यालयों, शिक्षण संस्थाओं और विभिन्न संगठनों द्वारा वंदे मातरम पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सांस्कृतिक गतिविधियों के अंतर्गत, प्रमुख गायकों द्वारा राष्ट्रगीत पर आधारित विशेष संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी, और शैक्षणिक संस्थानों में नेशनल कैडेट कोर, राष्ट्रीय सेवा योजना और स्काउट-गाइड जैसे संगठनों की सहभागिता से वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी और गीत गायन जैसी विशिष्ट गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

वन मंत्री कश्यप ने 'अबूझमाड़ पीस हाफ मैराथन' के 5 वें संस्करण का पोस्टर किया विमोचन

मैराथन का आयोजन 25 जनवरी 2026 को

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने नारायणपुर जिले के ग्राम पंचायत खोड़गांव में आयोजित कार्यक्रम में अबूझमाड़ पीस हाफ मैराथन के 5 वें संस्करण के पोस्टर का विमोचन किया। यह मैराथन अबूझमाड़ क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता, झरनों, झीलों, स्थानीय जनजातीय जीवन शैली और समृद्ध लोक संस्कृति को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का महत्वपूर्ण माध्यम होगा। अबूझमाड़ पीस हाफ मैराथन का आयोजन 25 जनवरी 2026 को किया जाएगा, इसमें 21 किलोमीटर की मुख्य दौड़ आयोजित होगी, जिसके विजेताओं को लाखों रुपए के नगद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वन मंत्री कश्यप ने कहा कि अबूझमाड़ की सांस्कृतिक और

प्राकृतिक धरोहर अनमोल है। उन्होंने सभी नागरिकों से इस आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लेने और इसे उत्सव सम्पन्न कराने की अपील की, ताकि मैराथन को ऐतिहासिक और सफल स्वरूप दिया जा सके। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री नारायण मरकाम, छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ के अध्यक्ष रूपसाय सलाम, नगर पालिका अध्यक्ष इन्द्रप्रसाद बघेल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रताप सिंह मंडावी, जनपद पंचायत अध्यक्ष पिंकी उसेंडी, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत सीईओ, जनप्रतिनिधिगण, नगर पालिका के पार्षदगण एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

SIR की प्रक्रिया हेतु समयावधि बढ़ाए सरकार एक महीने का समय प्रयाप्त नहीं,नवंबर माह में किसान रहते हैं पूर्णत : सुशील मौर्य

शिक्षकों को SIR की ड्युटी पर लगाने से पूरी तरह प्रभावित होगी शिक्षा

जगदलपुर, एजेंसी। आज संभाग मुख्यालय राजीव भवन में प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया जिसे बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य के द्वारा विभिन्न मुद्दों को लेकर संबोधित किया गया । श्री मौर्य ने कहा स्ट्रक्र की प्रक्रिया को लेकर भाजपा सरकार शिक्षको को एसआईआर काम में जुटा रही हैं। कई स्कूलों में तो 90 फीसदी शिक्षकों को बीएलओ बना दिया गया है। इसके चलते बच्चों की पढ़ाई पर असर पड़ रहा है। जनवरी में प्री बोर्ड, छमाही परीक्षाओं के अलावा दसवीं और बारहवीं के प्रैक्टिकल एग्जाम होने हैं लेकिन अब व्यवस्था डगमगाती नजर आ रही है। इससे शिक्षा व्यवस्था बुरी तरह से प्रभावित होगी ऐसे में छत्तीसगढ़ में कैसे सुधरेगी पढ़ाई-लिखाई इसका जवाब भाजपा सरकार को देना चाहिए। वही स्ट्रक्र की प्रक्रिया के लिए समयावधि बढ़ाए सरकार एक महीने का समय प्रयाप्त नहीं है,नवंबर माह में किसानों की धान कटाई का मुख्य माह होता है और समस्त किसान इस कार्य में पूर्णतःव्यस्थ रहते हैं।हमारी मांग है इसके लिए सरकार को स्ट्रक्र की

प्रक्रिया के लिए समयावधि बढ़ाना चाहिए साथ ही स्कूलों के शिक्षक गैर शिक्षकों को स्ट्रक्र ड्युटी से हटाया जाए।

पत्रवार्ता में शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने हस्ताक्षर अभियान को लेकर कहा कांग्रेस पार्टी पर मंदिर विरोधी का आरोप लगाना पूर्णतः गलत है बेबुनियाद है इसकी कांग्रेस पार्टी पूर्ण निंदा करती है कांग्रेस पार्टी सिर्फ जनहित की मांग अनुसार हस्ताक्षर अभियान चलाया है और उसका उद्देश सिर्फ यही है कि वहां पर मल्टी पार्किंग का निर्माण हो सके ताकि आने वाले समय में शहर की यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से संपादित हो सके और अभी तक प्रतापदेव वार्ड की जमीन शासकीय नजूल है और न किसी समाज को दी गई है और यदि वह जमीन दिगंबर समाज को दे दी गई होती तो उनका आरोप सत्य होता। दिगंबर समाज को इस विषय पर जरूर ध्यान देना चाहिए।आज पर्यंत तक वह जमीन शासकीय नजूल है और यह आरोप सरासर गलत है।कांग्रेस पार्टी से हस्ताक्षर अभियान के पूर्व कई समाजों ने कहा था कि वहां पर मल्टी पार्किंग बन चाहिए जिसके लिए कांग्रेस पार्टी ने जनमत हेतु हस्ताक्षर अभियान चलाया इसके अलावा यादव समाज, आदिवासी समाज ने भी अपने समाजिक भवन हेतु उक्त जमीन की मांग की है और जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा है।यहां के चुने हुए महापौर, चुने हुए स्थानीय विधायक व चुने हुए सांसद को जनता के बीच एक जनमत के आधार पर कार्य करना चाहिए। इस दौरान महिला कांग्रेस अध्यक्ष लता निषाद,व्यापारी प्रकोष्ठ अध्यक्ष राजेंद्र पटवा, निकेत झा,नीतीश शर्मा,खीरेंद्र यादव आदि मौजूद रहे ।

जिले में 2 उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य प्रगति पर,लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण उपसंभाग मनेन्द्रगढ़ द्वारा मई-जून 2026 तक कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण उपसंभाग मनेन्द्रगढ़ अंतर्गत जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में दो महत्वपूर्ण उच्चस्तरीय पुलों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इन पुलों के निर्माण से जिले के ग्रामीण अंचलों में आवागमन सुविधा में व्यापक सुधार होगा तथा क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी।

बरने नदी पर उच्चस्तरीय पुल (बिछिया टोला-कोतमा मार्ग): बिछिया टोला से कोतमा मार्ग पर बरने नदी पर उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य के लिए 453.02 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हुई है। पुल की कुल लंबाई 176 मीटर (08 स्पान, प्रत्येक 22 मीटर) है। वर्तमान में स्लैब ढलाई का कार्य प्रगतिरत है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार यह कार्य मई 2026 तक पूर्ण कर लिया जाएगा। इस पुल के पूर्ण होने से क्षेत्र के ग्रामीणों को बरसात के दौरान नदी पार करने में आने वाली कठिनाइयों से राहत मिलेगी तथा कृषि उपज के परिवहन में सुविधा होगी।

हसदेव नदी पर उच्चस्तरीय पुल (कौडीमार-पैनारी मार्ग): जिला मनेंद्रगढ़ में कौडीमारदृपैनारी मार्ग पर हसदेव नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुँच मार्ग निर्माण कार्य ?1303.81 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति के अंतर्गत स्वीकृत है। पुल की लंबाई 192 मीटर (08 स्पान, प्रत्येक 24 मीटर) है। निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति के अनुसार 1 एबटमेंट पूर्ण, 1 एबटमेंट प्रगति पर, 1 पीयर पूर्ण तथा 6 पीयर प्रगति पर हैं। यह कार्य जून 2026 तक पूर्ण किये जाने की संभावना है।

गुणवत्ता एवं समय सीमा पर विशेष ध्यानः विभागीय अधिकारियों द्वारा बताया गया कि दोनों परियोजनाओं में कार्य गुणवत्ता एवं सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन किया जा रहा है। निर्माण कार्य को नियमित निगरानी की जा रही है ताकि निर्धारित समयसीमा में कार्य पूर्ण किया जा सके। इन पुलों के निर्माण से जिले के ग्रामीण अंचलों में सड़क संपर्क सुदृढ़ होगा, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि एवं व्यापारिक गतिविधियों में सुगमता आएगी।

बस्तर में कृषि क्रांति-25 वर्षों में फसल क्षेत्र दोगुना, बीज वितरण में 10 गुना वृद्धि

धान का वाजिब दाम से किसानों की बढ़ी खुशहाली

जगदलपुर, एजेंसी। बस्तर जिले में पिछले 25 वर्षों के दौरान खेती-किसानी में एक अद्वितीय परिवर्तन परिलक्षित हुई है। वनों एवं प्रकृति की गोद में बसे इस आदिवासी बहुल क्षेत्र में जहां कभी खेती की राहें कठिन थीं, आज हरे-भरे खेत लहलहा रहे हैं। किसानों की मेहनत से न केवल फसल उत्पादन क्षेत्र में इजाफा हुआ है, साथ ही किसानों की आय में भी अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। यह उपलब्धि न केवल उत्पादन की दिशा में मिसाल बनी है, बल्कि हजारों किसान परिवारों की समृद्धि की कहानी है।

बस्तर जिले के अंतर्गत वर्ष 2000 में जहां फसल उत्पादन का कुल क्षेत्र मात्र 1,58,919 हेक्टेयर था, वहीं अब 2025 तक यह बढ़कर 2,00,310 हेक्टेयर हो चुका है। यानी लगभग 26 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह विस्तार बस्तर के दुर्गम इलाकों तक पहुंचा है, जहां पहाड़ियां और असमतल भूमि खेती को चुनौती देती रही हैं। बीज वितरण के मामले में वर्ष 2000 में मात्र 3,109 क्विंटल बीज उपलब्ध कराए गए थे, जो अब 32,253 क्विंटल तक पहुंच चुकी है यानी

करीब 10 गुना की आशातीत बढ़ोत्तरी हुई है। जिले में सिंचित क्षेत्र का विस्तार भी कमाल का रहा है। वर्ष 2000 में जहां सिंचाई की सुविधा सिर्फ 3,669 हेक्टेयर तक सीमित थी, वहीं आज यह 24,280 हेक्टेयर तक फैल चुकी है जो सात गुना से अधिक की बढ़ोतरी है। नहरें, तालाब और ड्रिप इरिगेशन जैसी योजनाओं ने बस्तर के सूखाग्रस्त इलाकों को हरा-भरा बना दिया। जल संरक्षण के इन प्रयासों से न केवल फसल चक्र मजबूत हुआ, बल्कि जलवायु परिवर्तन के प्रकोप से भी किसानों को निपटने की क्षमता मिली है। उप संचालक कृषि श्री राजीव श्रीवास्तव का कहना है कि आधुनिक तकनीक, बेहतर सिंचाई सुविधाओं और किसान प्रशिक्षण कार्यक्रमों का श्रेय इस सफलता को जाता है। उच्च गुणवत्ता वाले बीजों की यह उपलब्धता ने किसानों को न केवल उपज बढ़ाने में मदद की, बल्कि रोग प्रतिरोधी फसलों की खेती को भी प्रोत्साहित किया। बस्तर ब्लॉक के गुनपुर निवासी किसान नकुल भारती ने बताया कि पहले अच्छे बीज के लिए भटकना पड़ता था, अब आसानी से मिल रहे हैं। नवीन तकनीक से खेती करने के फलस्वरूप उत्पादन में भी अप्रत्याशित रूप से वृद्धि हुई है। अब किसानों का धान के साथ ही दलहन-तिलहन जैसी नकदी फसलों की ओर रूझान बढ़ रहा है।

छत्तीसगढ़ में किसानों के लिए सबसे बड़ी खुशखबरी तो धान उत्पादन के बढ़े दामों में है। बस्तर भी अब ''धान का कटोरा'' बन रहा है और यहां के किसान अच्छी किस्म के धान का उत्पादन कर आर्थिक रूप से भी मजबूत हो रहे हैं। वर्ष 2000 में मोटे धान का समर्थन मूल्य 510 रुपये प्रति क्विंटल था, जो अब 3,100 रुपये तक पहुंच गया है। इसी तरह, ग्रेड-ए धान का दाम 540 से उछलकर 3,100 रुपये प्रति क्विंटल हो गया है। यह छह गुना से अधिक की वृद्धि किसानों की जेब में सीधे ताकत डाल रही है। राज्य सरकार की न्यूनतम समर्थन मूल्य की नीति और बाजार सुधारों ने इस बदलाव को संभव बनाया है। जगदलपुर ब्लॉक की कलचा निवासी महिला किसान जयंती बघेल ने गर्व से कहा, अब हम सिर्फ गुजारा नहीं कर रहे, बल्कि बच्चों की पढ़ाई और घर-परिवार की समुचित देखभाल कर रहे हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचार विभाग द्वारा दीपावली मिलन समारोह संपन्न

जगदलपुर, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ,जिला जगदलपुर के प्रचार विभाग द्वारा दीपावली मिलन समारोह का आयोजन आंध्र समाज के सामाजिक भवन में हर्षोल्लासपूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ प्रांत प्रचार प्रमुख संजय तिवारी ने मार्गदर्शन प्रदान करते हुए संगठन के प्रचार कार्यों में सक्रिय सहयोग एवं सहभागिता का आह्वान किया। उन्होंने संघ के शताब्दी वर्ष में अब तक हुए तथा आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी भी साझा की।

इस दौरान नगर संघ चालक सुबीर नंदी, विभाग एवं संभाग प्रचारक यज्ञ सिंह,तथा जिला प्रचारक शिव शंकर,संघ के अनुशांगिक संगठनों के प्रचार विभाग के पदाधिकारीगण,टोली सदस्यगण तथा बस्तर जिले के पत्रकार बंधु बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

राजभवन में वंदे मातरम्के 150 वर्ष पर सामूहिक गायन

प्रधानमंत्री के उद्बोधन का सीधा प्रसारण किया गया

रायपुर, एजेंसी। भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम्'' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज राजभवन, रायपुर में भावपूर्ण सामूहिक गायन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण नई दिल्ली से किया गया, जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस ऐतिहासिक आयोजन का शुभारंभ किया। राजभवन में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा और एक स्वर में वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया। राजभवन के छत्तीसगढ़ मंडपम में आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी ने राष्ट्रीय भावना और मातृभूमि के प्रति समर्पण की भावना के साथ राष्ट्रीय गीत का सामूहिक रूप से गायन किया। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थि है ।

पीडब्ल्यूडी के विधानसभा संभाग में 98 किमी में पेंच रिपेयर कार्य प्रगति पर, 26 किमी में कार्य पूर्ण

प्रदेशभर में सड़कों की मरम्मत का काम जोरों पर

रायपुर, एजेंसी। बरसात की समाप्ति के बाद प्रदेशभर में सड़कों की मरम्मत का काम जोरों पर है। रायपुर जिले में भी बरसात के कारण जिन सड़कों में गढ्ढे हो गए थे या जो सड़कें खराब हो गई थी, उनमें पेंच रिपेयर का काम किया जा रहा है। लोक निर्माण विभाग के रायपुर परिक्षेत्र में विधानसभा संभाग में कुल 96 किमी सड़क में पेंच रिपेयर का काम किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव ने सड़कों की मरम्मत का काम तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

लोक निर्माण विभाग के रायपुर परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री पंकज मोहन कश्यप और कार्यपालन अभियंता श्री विशाल त्रिवेदी ने आज बीरगांव-उरला-बेन्द्री-कारा-बाना-गोमची-नंदनवन मार्ग, हीरापुर-जरवाय-नंदनवन मार्ग बेन्द्री पहुंच मार्ग और धरसींवा-कुरा-पण्डरभट्ठा-लखना-भूमिया पण्डरभट्ठा-मुरा मार्ग एवं बलौदी पहुंच मार्ग, कुरा कोल्हान नाला मार्ग, एनएच-130 बी रायपुर-बिलासपुर मार्ग से तरपोंगी-देवरी बायपास मार्ग में मरम्मत कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि 26 किमी बीटी पेंच रिपेयर का कार्य पूर्ण हो गया है। टाटीबंध-हीरापुर फोरलेन मार्ग, उरला-गुमा-हीरापुर-सोनडोंगरी-तेंदुआ मार्ग, उरला-पठारीडीह मार्ग, धरसींवा-कुरा-पण्डरभट्ठा-सगुनी-बेलौदी मार्ग, सोमनाथ मंदिर पहुंच मार्ग, तिल्दा-नेवरा मार्ग, नेवरा-सिनोघा-खपरी-मोहदा-हथबंद मार्ग, तिल्दा-नेवरा-कोटा-चांपा-मानपुर-कोहका-परसवानी-चिंगोरी-छछानपैरी-नोहरा मार्ग, बंगोली पहुंच मार्ग और मोहरा पहुंच मार्ग सहित अन्य मार्गों के पेंच रिपेयर का कार्य भी जल्द पूर्ण कर लिया जाएगा।

वंदे मातरम् 150 वीं वर्षगांठ पर छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर में विशेष आयोजन

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ शासन, संस्कृति विभाग के आदेशानुसार वंदे मातरम् की 150 वीं वर्षगांठ के अवसर पर 07 नवम्बर 2025 को देशभर में वंदे मातरम् आधारित कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानमंत्री के द्वारा वर्चअल रूप से दिल्ली से किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर कार्यालय में सचिव पुष्पा साहू (आईएएस), उपसचिव डॉ. बी. रघु, प्रभारी उपसचिव (प्रशासनिक) प्रीति शुक्ला, पंजीयक बी.के. राज, सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रदीप कुमार साहू, मनीषी सिंह, शिवा सोमवंशी, अलका जैन, कक्ष अधिकारी संतराम ध्रुव, सहायक सचिव राजेन्द्र कुमार सोंधिया, अशोक बोरकर सहित अधिकारी एवं कर्मचारियों ने सभा कक्ष में इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

प्रधानमंत्री के प्रेरणादायक संबोधन के पश्चात् मण्डल के सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा ÷वंदे मातरम÷ का सामूहिक गायन किया गया एवं इसे ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड किया गया। वंदे मातरम् का सामूहिक गान अपलोड करते ही छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर को इस उपलब्धि पर प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ।

मुख्यमंत्री की घोषणा पर अमल

बैगा गुनिया हड़जोड़ सम्मान के लिए चिन्हित व्यक्तियों को मिलेगी प्रति वर्ष 5 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि

रायपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की घोषणा के अनुरूप अनुसूचित जनजाति वर्ग के बैगा, गुनिया एवं हड़जोड़ के चिन्हित व्यक्तियों को प्रति वर्ष 5,000 रुपए की सम्मान सह-प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। इस योजना को 'मुख्यमंत्री बैगा गुनिया हड़जोड़ सम्मान योजना (अनुसूचित जनजाति) वर्ष 2025' के नाम से जाना जाएगा। योजना के संबंध में 6 नवम्बर को आदिम जाति विकास विभाग द्वारा विस्तृत अधिसूचना जारी की गई है।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ के जनजातीय बाहुल्य ग्रामीण क्षेत्रों में परंपरागत रूप से वनौषधीय चिकित्सा संबंधी कार्यों में संलग्न बैगा, गुनिया एवं हड़जोड़ लोगों की परंपरागत वनौषधीय चिकित्सा पद्धति को प्रोत्साहित करने और उनके सेवा एवं योगदान को मान्यता देने के उद्देश्य से, जनजातीय गौरव दिवस 15 नवम्बर 2024 के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा प्रति चिन्हित व्यक्ति को प्रतिवर्ष 5,000 रुपए की सम्मान सह-प्रोत्साहन निधि प्रदान करने की घोषणा की गई थी। आदिम जाति विकास विभाग द्वारा जारी अधिसूचना में उल्लेखित है कि 'मुख्यमंत्री बैगा, गुनिया-हड़जोड़ सम्मान योजना' का उद्देश्य जनजातीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के अंतर्गत परंपरागत रूप से वनौषधियों के ज्ञान में दक्ष बैगा, गुनिया और हड़जोड़ व्यक्तियों के पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित करना, उसे आगामी पीढ़ियों तक हस्तांतरित करना और उनके वनौषधीय चिकित्सकीय अनुभवों का अभिलेखीकरण कर उनकी आजीविका एवं सेवा को सुदृढ़ बनाना है।

अधिसूचना में यह भी उल्लेख किया गया है कि जनजाति समाजों में वनौषधीय चिकित्सा संबंधी अनुभव परिवारों में पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होते हैं। अनुसूचित क्षेत्रों के ग्रामों में ऐसे बैगा, गुनिया एवं हड़जोड़ व्यक्ति जो विगत तीन वर्षों से वनौषधीय चिकित्सा सेवा कार्य में संलग्न हैं, उन्हें संरक्षित करने और सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिवर्ष 5,000 रुपए की सम्मान राशि प्रदान की जाएगी। छत्तीसगढ़ राज्य के अनुसूचित जनजाति वर्ग के स्त्री, पुरुष एवं तृतीय लिंग (ट्रांसजेंडर) व्यक्ति, जो बैगा, गुनिया या हड़जोड़ के रूप में कम से कम 30 वर्षों से अपने स्थानीय क्षेत्र में सेवाएँ दे रहे हैं तथा जिनके परिवार में कम से कम दो पीढ़ियों से वनौषधीय चिकित्सा का ज्ञान स्थानांतरित हुआ है, पात्र माने जाएंगे। साथ ही, जो व्यक्ति पादप औषधि बोर्ड, आयुष विभाग, वन विभाग या लघु वनोपज संघ जैसी पंजीकृत संस्थाओं से जुड़े हुए हैं, उनका चयन निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ग्राम स्तर पर किया जाएगा। ग्राम सभा एवं ग्राम पंचायत द्वारा प्रेषित नामों की अनुशंसा ग्राम स्तर पर ग्राम सचिव, सरपंच, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन तथा प्राथमिक अथवा माध्यमिक शाला के प्रधानपाठक द्वारा अनुमोदित की जाएगी।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा